सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

14 छक्के और 9 चौके, सरफराज खान....... पेज: 7

डेंटल सर्जन से अभिनेत्री बनी श्रेया शर्मा पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 263 | गुरुवार 01 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ, पीएम मोदी ने कहा- ये हमारी आस्था और संस्कारों का एक दिव्य उत्सव

नई दिल्ली एजेंसी: अयोध्या राम मंदिर स्थित रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये वर्षगांठ हमारी आस्था और संस्कारों का एक दिव्य उत्सव है। भगवान श्री राम की असीम कृपा और आशीर्वाद से असंख्य रामभक्तों का पांच सदियों का संकल्प साकार हुआ है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर कहा कि आज रामलला अपने भव्य धाम में पुनः विराजित हैं और इस वर्ष अयोध्या की धर्म ध्वजा, रामलला की प्रतिष्ठा द्वादशी की साक्षी बन रही है। ये मेरा सौभाग्य है कि पिछले महीने मुझे इस ध्वजा की पुण्य स्थापना का मौका मिला। पीएम मोदी ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से जुड़ी कई तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की इसके साथ ही उन्होंने राम

मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से जुड़ी कई तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ह्वअयोध्या जी की पावन धरा पर आज रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ मनाई जा रही है। ये वर्षगांठ हमारी आस्था और संस्कारों का एक दिव्य उत्सव है। इस पावन-पुनीत अवसर पर देश-विदेश के सभी रामभक्तों की ओर से प्रभु श्री राम के चरणों में मेरा कोटि-कोटि नमन और वंदन। समस्त देशवासियों को मेरी अनंत शुभकामनाएं। एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा दूसरे पोस्ट में

पिछले महीने मुझे इस ध्वजा की पुण्य स्थापना का सुअवसर मिला

दूसरे पोस्ट में उन्होंने लिखा, भगवान श्री राम की असीम कृपा और आशीर्वाद से असंख्य रामभक्तों का पांच सदियों का संकल्प साकार हुआ है। आज रामलला अपने भव्य धाम में पुनः विराजित हैं और इस वर्ष अयोध्या की धर्म ध्वजा, रामलला की प्रतिष्ठा द्वादशी की साक्षी बन रही है। ये मेरा सौभाग्य है कि पिछले महीने मुझे इस ध्वजा की पुण्य स्थापना का सुअवसर मिला।

उन्होंने लिखा, ह्वभगवान श्री राम की असीम कृपा और आशीर्वाद से असंख्य रामभक्तों का पांच सदियों का संकल्प साकार हुआ है। आज रामलला अपने भव्य धाम में पुनः विराजित हैं और इस वर्ष अयोध्या की धर्म ध्वजा, रामलला की प्रतिष्ठा द्वादशी की साक्षी बन रही है। ये मेरा सौभाग्य है कि पिछले महीने मुझे इस ध्वजा की पुण्य स्थापना का सुअवसर मिला। पीएम मोदी ने आगे लिखा, मेरी कामना है कि मयार्दा पुरुषोत्तम की प्रेरणा हर देशवासी के हृदय में सेवा, समर्पण और करुणा की भावना को और प्रगाढ़ करे, जो समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का सशक्त आधार भी बने। जय सियाराम। गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जय श्री राम। आज ही की शुभ तिथि पर दो वर्ष पूर्व 500 वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त हुई और मोदी जी ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की। प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने आगे लिखा, प्रभु श्रीराम के आदर्शों और जीवन मूल्यों की पुनर्स्थापना का प्रतीक यह मंदिर धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष, सांस्कृतिक स्वाभिमान के लिए त्याग व विरासतों के संरक्षण के लिए बलिदान की अप्रतिम प्रेरणा बना रहेगा। इस पवित्र अवसर पर श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के सभी बलिदानियों को नमन करता हूं।

विधानसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु पुलिस में बड़ा फेरबदल

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु सरकार ने विधानसभा चुनाव के संभावित नतीजों की घोषणा से पहले डीआईजी से लेकर डीजीपी तक के वरिष्ठ अधिकारियों सहित 70 भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों को पदोन्नत और तबादले किए हैं। एक अधिकारी ने मंगलवार देर रात यहां बताया कि इस फेरबदल का उद्देश्य प्रशासनिक दक्षता को मजबूत करना और राज्य भर में कानून-व्यवस्था से जुड़ी बदलती प्राथमिकताओं को संबोधित करना है। तीन अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों एडीजीपी को डीजीपी के पद पर पदोन्नत किया गया है: डेविडसन देवसिरवथम सशस्त्र पुलिस संदीप मित्तल साइबर अपराध और बालनागदेवी आर्थिक अपराध शाखा, साथ ही नागरिक आपूर्ति सीआईडी का अतिरिक्त प्रभार सात महानिरीक्षकों (आईजी) को एडीजीपी के पद पर पदोन्नत किया गया है

अयोध्या की हर सांस राममय: प्राण प्रतिष्ठा वर्षगांठ पर बोले राजनाथ सिंह, प्रभु राम के पुनरागमन से पूरा राष्ट्र गौरवान्वित

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित 'प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह' में भाग लिया और इस क्षण को राष्ट्र के लिए ऐतिहासिक गौरव और आध्यात्मिक पूर्णता का क्षण बताया। सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने भगवान राम की प्रतिमा की स्थापना के महत्व को याद करते हुए कहा कि आज से दो वर्ष पहले, सदियों के इंतजार के बाद, हमारे भगवान श्री राम अपने दिव्य मंदिर में स्थापित हुए थे। अपनी अद्भुत और तेजस्वी प्रतिमा के साथ, वे आज न केवल अयोध्या बल्कि पूरे विश्व को गौरव प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या का आध्यात्मिक वातावरण लोगों के भगवान राम के साथ गहरे भावनात्मक बंधन को दशार्ता है।

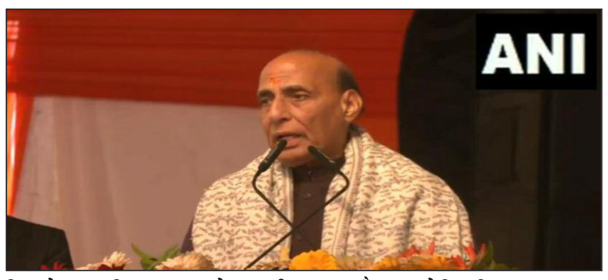

सिंह ने कहा कि आज अयोध्या की हर गली, हर चौराहा, हर द्वार, हर सांस राम से ओतप्रोत है और आनंद से भरी हुई है। यह आनंद केवल अयोध्या तक ही सीमित नहीं है। आज पूरा अवध क्षेत्र, आज पूरा भारतवर्ष और आज दुनिया का हर हृदय जो राम को जानता है, राम का आदर करता है। इस अवसर को सामूहिक गौरव का क्षण बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। वह ऐतिहासिक क्षण, जब स्वयं भगवान श्री रामचंद्र ने अवध की धरती पर अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए पुनः प्रकट होने का निर्णय लिया। राम मंदिर आंदोलन पर विचार करते हुए सिंह ने कहा कि यह विश्व के सबसे शक्तिशाली जन आंदोलनों में से एक है। उन्होंने कहा कि हम उस महान कथा की सफलता का भी जश्न मना रहे हैं। वह कथा इतनी सफल रही कि न केवल राम अपने मंदिर में आए, बल्कि आज धर्म का ध्वज भी उस मंदिर पर लहरा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मैं अक्सर राम मंदिर आंदोलन के बारे में सोचता हूँ। मुझे नहीं पता कि उस आंदोलन के बारे में क्या-क्या कहा गया है या क्या-क्या प्रचारित किया गया है। लेकिन मुझे लगता है कि राम मंदिर आंदोलन दुनिया की सबसे भव्य गाथाओं में से एक है। मुझे 90 के दशक में इस आंदोलन के उदय के साथ उभरी तीव्रता, जागरूकता और व्यापक जन जागरूकता याद है। इसने पूरे देश को झकझोर दिया था। हम सभी ने अपनी आँखों से भगवान राम के मंदिर के निर्माण के लिए शुरू हुए आंदोलन को देखा और जिया है। अयोध्या के विकास पर प्रकाश डालते हुए, सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और दो इंजन वाली सरकार को इसका श्रेय दिया।

असम की डेमोग्राफी पर सीएम शर्मा का बड़ा बयान: 'हिंदू दो-तीन बच्चे पैदा करें वरना...'

असम एजेंसी: असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने राज्य के हिंदू दंपतियों से एक से अधिक बच्चे पैदा करने का आग्रह करके एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने इसका कारण यह बताया कि धार्मिक अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों की तुलना में हिंदुओं में जन्म दर घट रही है। पत्रकारों से बात करते हुए सरमा ने कहा कि अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में जन्म दर अधिक है, जबकि हिंदुओं में यह लगातार गिर रही है। उन्होंने कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में बच्चे को जन्म देने की दर अधिक है। हिंदुओं में बच्चे को जन्म देने की दर घट रही है। इसमें अंतर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यही कारण है कि उन्होंने हिंदू परिवारों से अधिक बच्चे पैदा

करने की अपील की है। सरमा ने कहा कि इसीलिए हम हिंदू लोगों से आग्रह कर रहे हैं कि वे एक बच्चे पर न रुकें और कम से कम दो बच्चे पैदा करें। जो सक्षम हैं, वे तीन बच्चे भी पैदा कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने आगे कहा कि हम मुस्लिम लोगों से सात-आठ बच्चे पैदा न करने का आग्रह करते हैं, जबकि हम हिंदुओं से अधिक बच्चे पैदा करने का आग्रह करते हैं। अन्यथा, हिंदुओं के घर की देखभाल करने वाला कोई नहीं होगा। इससे पहले, 27 दिसंबर को, सरमा ने राज्य में जनसंख्या के रुझानों पर भी बात की और कहा कि बांग्लादेशी मूल के मिया मुस्लिमों की आबादी 2027 की जनगणना में 40 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने अखिल असम छात्र संघ (एएएसयू) से अपना राजनीतिक करियर शुरू किया था, तब उनकी आबादी 21 प्रतिशत थी, जो 2011 की जनगणना में बढ़कर 31 प्रतिशत हो गई। सरमा ने कहा था कि उनकी जनसंख्या 40 प्रतिशत से अधिक होने वाली है। वह दिन दूर नहीं जब असम की भावी पीढ़ी अपनी जनसंख्या को 35 प्रतिशत से नीचे जाते हुए देखेगी। उन्होंने आगे कहा कि वे (बांग्लादेश) अक्सर कहते हैं कि पूर्वोत्तर भारत को अलग करके बांग्लादेश में मिला लेना चाहिए। उन्हें पूर्वोत्तर भारत को लेने के लिए युद्ध लड़ने की जरूरत नहीं है। एक बार उनकी जनसंख्या 50 प्रतिशत से अधिक हो जाने पर यह स्वतः ही उनके पास आ जाएगा।

पूर्व सरकारों ने रामनगरी को किया लहूलुहान, लेकिन सनातन से ऊपर कोई नहीं, अयोध्या में बोले सीएम योगी

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राम जन्मभूमि मंदिर और राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की, वहीं विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाया। प्रतिष्ठा द्वादशी और राम लला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने अयोध्या को अशांति और संघर्ष की भूमि बना दिया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत में अयोध्या ने राम जन्मभूमि आंदोलन के कई चरण देखे हैं। अयोध्या का नाम ही बताता है कि यहां कोई युद्ध नहीं लड़ा गया, जिसका अर्थ है कि कोई भी शत्रु इसके साहस के सामने टिक नहीं सका। लेकिन कुछ लोगों ने लालच, धार्मिक कट्टरता और तुष्टीकरण की नीति से प्रेरित होकर अयोध्या को अशांति और संघर्ष का स्थान बना दिया है। उन्होंने मंदिर की नींव रखने के समारोह, प्राण प्रतिष्ठा

और ध्वजारोहण को याद करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या तीन क्षणों को कभी नहीं भूल सकती। 5 अगस्त, 2020, जब भारत के प्रधानमंत्री पहली बार अयोध्या पहुंचे और राम जन्मभूमि मंदिर की नींव रखी। 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री ने राम लल्ला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा पूरी की। तीसरा क्षण 25 नवंबर को था, जब प्रधानमंत्री ने मंदिर के शीर्ष पर भगवा ध्वज फहराया। नवंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के 191 फुट ऊंचे शिखर पर भगवा ध्वजारोहण किया, जो मंदिर के निर्माण के पूरा होने का प्रतीक था। इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम जन्मभूमि आंदोलन में उनके योगदान के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी धन्यवाद दिया, जो उस अवसर पर उपस्थित थे।

खड़गे का केंद्र पर वार: बोले, बीजेपी कर रही कुशासन, उम्मीद है 2026 में सुशासन देगी सरकार

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए भाजपा पर 2025 में कई मोर्चों पर नाकाम रहने और "कुशासन" का आरोप लगाया। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर उन्होंने सरकार से अगले वर्ष सुशासन की कामना की। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा कि मैं प्रार्थना करता हूं कि यह वर्ष अच्छा बीते और सभी खुश रहें। मुझे उम्मीद है कि नया साल सभी के लिए समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य लेकर आए और सरकारें अगले वर्ष सुशासन प्रदान करें। इससे पहले आज एक पोस्ट में, राज्यसभा के विपक्ष ने भाजपा पर हमला करते हुए एमजीएन आरईजीए के प्रतिस्थापन गिरते रुपये और मुद्रास्फीति सहित 14 विवादित मुद्दों का हवाला दिया। एमजीएनआरईजीए और मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का हवाला देते हुए, जिन दो मुद्दों पर कांग्रेस ने 2025 के चुनाव में एकजुटता दिखाई थीउन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार नागरिकों के काम करने के अधिकार और वोट देने के अधिकार को छीन रही है। कांग्रेस नेता ने पर लिखा कि साल के आखिरी दिन यह याद दिलाना जरूरी है कि भाजपा शासन के 11वें वर्ष 2025 में देश का संचालन कैसे हुआ एमजीएन आरईजीए को खत्म करके लाखों गरीबों से 'काम का अधिकार' छीन लिया गया। बिना किसी तैयारी के, बिना बीएलओ प्रशिक्षण के, एसआईआर के जरिए लाखों लोगों से 'मतदान का अधिकार' छीन लिया गया और भाजपा की वोट चोरी रंगे हाथों पकड़ी गई। यह ऐसे समय में आया है जब संसद ने यूपीए सरकार द्वारा लाए गए एमजीएनआरईजीए के स्थान पर विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 पारित किया है।

राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ: पीएम मोदी बोले - यह हमारी आस्था का दिव्य उत्सव

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह वर्षगांठ हमारी आस्था और परंपराओं का एक दिव्य उत्सव है। पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि पिछले महीने फहराया गया "धर्म ध्वज" पहली बार राम लल्ला की प्रतिमा की स्थापना का साक्षी बन रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि आज अयोध्या जी की पवित्र भूमि पर राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह वर्षगांठ हमारी आस्था और परंपराओं का एक दिव्य उत्सव है। इस पवित्र और पावन अवसर पर, देश और विदेश के सभी राम भक्तों की ओर से, भगवान श्री राम के चरणों में करोड़ों प्रणाम और नमन! सभी देशवासियों को मेरी असीम शुभकामनाएं। मोदी ने आगे कहा कि भगवान श्री राम की असीम कृपा और आशीर्वाद से अनगिनत राम भक्तों का पांच शताब्दी पुराना संकल्प

पूर्ण हुआ है। आज राम लल्ला एक बार फिर अपने भव्य निवास में विराजमान हैं, और इस वर्ष अयोध्या का धर्म ध्वज बारहवें दिन राम लल्ला की प्रतिष्ठा का साक्षी है। यह मेरा सौभाग्य है कि पिछले महीने मुझे इस ध्वज की पवित्र स्थापना में भाग लेने का शुभ अवसर मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कामना की कि सदाचार के प्रतीक राम लल्ला की प्रेरणा प्रत्येक नागरिक के हृदय में सेवा, समर्पण और करुणा की भावना को गहरा करे, जो एक समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की मजबूत नींव बने। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतिष्ठा द्वादशी और राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा-अर्चना की। राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अन्नपूर्णा मंदिर में ध्वजारोहण किया और हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। राम लल्ला प्रतिमा का अनावरण 22 जनवरी, 2024 को 'प्राण प्रतिष्ठा समारोह' में किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में एक घंटे तक अनुष्ठान संपन्न हुए।

नए साल के जश्न की तैयारी में दुनिया, इधर भारत ने बैक-टू-बैक दो 'प्रलय' मिसाइल दाग दी, दुश्मन के खेमे में मची खलबली

नई दिल्ली एजेंसी: नए साल का आगमन होने वाला है। पूरी दुनिया जश्न की तैयारी में डूबी है। लेकिन इन तैयारियों के बीच भारत ने डबल धमाका कर दिया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने अपनी ताकत का लोहा मनवाते हुए स्वदेशी रूप से विकसित प्रलय मिसाइल का बेहद सफल परीक्षण किया है. यह कोई साधारण परीक्षण नहीं था, बल्कि यह एक ह्यसाल्वो लॉन्च था, जिसने दुश्मन के खेमे में खलबली मचा दी है। रक्षा विशेषज्ञों की भाषा में ह्यसाल्वो लॉन्च का मतलब होता है एक साथ या बहुत कम अंतर पर कई हथियारों का हमला। भारत ने बुधवार को ओडिशा तट से दूर डॉ. अब्दुल कलाम द्वीप से प्रलय लघु-श्रेणी बैलिस्टिक मिसाइल के उपयोगकर्ता परीक्षणों की एक श्रृंखला का सफलतापूर्वक संचालन किया, जो स्वदेशी रूप से विकसित हथियार प्रणाली की शामिल करने की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अधिकारियों ने बताया कि निर्धारित मूल्यांकन कार्यक्रम के तहत सुबह करीब 10 बजे दो मिसाइलों का परीक्षण किया

गया, जिसके तुरंत बाद एक और मिसाइल दागी गई। ये परीक्षण उपयोगकर्ता द्वारा निर्धारित मापदंडों के तहत मिसाइल के परिचालन प्रदर्शन का आकलन करने के लिए किए गए थे, जिसमें सभी उद्देश्य पूरे हुए और कोई विचलन नहीं पाया गया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा

रक्षा विशेषज्ञों की भाषा में साल्वो लॉन्च का मतलब होता है एक साथ या बहुत कम अंतर पर कई हथियारों का हमला। भारत ने बुधवार को ओडिशा तट से दूर डॉ. अब्दुल कलाम द्वीप से प्रलय लघु-श्रेणी बैलिस्टिक मिसाइल के उपयोगकर्ता

विकसित प्रलय मिसाइल सतह से सतह पर मार करने वाली, कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है जिसकी मारक क्षमता लगभग 150 किमी से 500 किमी तक है। पारंपरिक युद्ध के लिए डिजाइन की गई यह मिसाइल रडार प्रतिष्ठानों, कमान एवं नियंत्रण केंद्रों और हवाई पट्टियों जैसे रणनीतिक लक्ष्यों पर सटीक हमले करने में सक्षम है। पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से निर्मित प्रलय मिसाइल आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के लिए भारत के प्रयासों को रेखांकित करती है। यह मिसाइल 500 किलोग्राम से 1,000 किलोग्राम तक के पारंपरिक वारहेड को ले जा सकती है, जिससे विभिन्न परिचालन आवश्यकताओं के लिए लचीलापन मिलता है। इस हथियार प्रणाली में उन्नत जड़त्वीय नेविगेशन प्रणाली (आईएनएस) लगी है, जिसमें रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर भी शामिल है, जिससे उच्च सटीकता और सटीक टर्मिनल मार्गदर्शन संभव हो पाता है। इन विशेषताओं के कारण मिसाइल अपने निर्धारित पथ पर बनी रहती है और लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाती है। अधिकारियों ने बताया कि मिसाइल की क्षमताओं को वास्तविक परिचालन स्थितियों में परखने के लिए उपयोगकर्ता परीक्षण किए गए थे और यह सशस्त्र बलों में इसकी तैनाती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संपादकीय

एंजेल चकमा की मौत, देश के लिए सबक

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में त्रिपुरा से आए छात्र एंजेल चकमा की नस्लवादी नफरत में हत्या कर दी गई। इस घटना पर अब उत्तराखंड से लेकर त्रिपुरा तक विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं, लोग नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। पूर्वोत्तर के छात्र अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। वहीं अब भाजपा के नेता भी इस घटना को दुखद और चिंतनीय बता रहे हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को पूर्वोत्तर के लोगों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में नस्लवाद और भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है। किसी भी जाति, नस्ल या धर्म के लोगों का मजाक नहीं उड़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पूर्वोत्तर के लोग ही नहीं, बल्कि सभी को इस तरह की घटनाओं से दुखी होना चाहिए, क्योंकि यह किसी के साथ भी हो सकता है। एक बेकसूर नागरिक को केवल उसके चेहरे-मोहरे के कारण मार देना दुख और नाराजगी की बात तो है ही, उससे भी अधिक गहरी चिंता की बात है कि एक समाज के तौर पर हम पागलपन के किस दौर में पहुंचा दिए गए हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को कपड़ों से पहचान करने के लिए उकसाया तो अब उससे एक कदम आगे बढ़ते हुए लोग कपड़ों के साथ-साथ खान-पान, नाम, नैन-नक्श से भी पहचान करने लगे हैं कि कौन हमारे जैसा है और कौन नहीं। जो हमारी तरह नहीं है, बहुसंख्यकों में शामिल नहीं है, उसे अल्पसंख्यक भी न रहने दिया जाए, बल्कि उसका अस्तित्व ही मिटा दिया जाए, इसी उन्मादी सोच का शिकार देश हो चुका है। भाजपा ने सत्ता पाने और उस पर जमे रहने के लिए लोगों में जो फूट डालनी शुरू की है, अब उसकी पराकाष्ठा देखी जा सकती है। किरण रिजीजू को अब अगर लग रहा है कि जाति, नस्ल या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए, तो ऐसा ही विरोध उन्हें उस वक्त भी करना था जब सैंटा क्लॉज की टोपी पहनने या बेचने वालों को प्रताड़ित किया गया। जब जन्मदिन के जश्न में बजरंग दल के गुंडे केवल इसलिए घुसकर मारपीट करने लगे, क्योंकि उसमें अल्पसंख्यक लोग भी थे। अगर अखलाक की लिंचिंग के बाद ही किरण रिजीजू भीड़ की हिंसा के खिलाफ बोलते या झारखंड में मॉब लिंचिंग के आरोपियों को जब भाजपा नेता जयंत सिन्हा माला पहना रहे थे, तब उनकी मुखालफत करते, तब तो उनकी चिंता जायज लगती। लेकिन अभी तो ऐसा लग रहा है कि पूर्वोत्तर में भाजपा की स्थिति कमजोर न हो जाए, इस डर से किरण रिजीजू पीड़ित के पक्ष में बोल रहे हैं। गनीमत यही है कि वो बोल रहे हैं, वर्ना देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को तो शायद ऐसी घटनाएं संबोधित करने लायक लगती ही नहीं हैं। वैसे भी इस समय उनका पूरा ध्यान इस समय बंगाल चुनाव पर हैं, जहां से घुसपैठियों को चुन-चुन कर निकालने की प्रतिबद्धता मोदी-शाह दिखा रहे हैं।

चिंतन-मनन

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है।

वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विघ्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते।

किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ! भगवान समझाते हैं-यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अर्थव्यवस्था से अंतरिक्ष तक भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियां

योगेश कुमार गोयल

भारत@2025ः सामर्थ्य, संतुलन और संकल्प का निर्णायक दौर...

भारत के लिए वर्ष 2025 केवल एक कैलेंडर वर्ष नहीं बल्कि एक ऐसे संक्रमणकाल का प्रतीक बनकर उभरा, जिसने देश की विकास यात्रा को नई दिशा, नई भाषा और नया आत्मविश्वास दिया। यह वह वर्ष रहा, जब भारत ने न केवल अपनी आंतरिक क्षमताओं को सुदृढ़ किया बल्कि वैश्विक मंच पर भी एक परिपक्व, स्थिर और निर्णायक शक्ति के रूप में अपनी पहचान को और गहराया। अर्थव्यवस्था, रक्षा, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल नवाचार, बुनियादी ढ़ांचा, ऊर्जा, स्टार्टअप और खेल, लगभग हर क्षेत्र में भारत की प्रगति ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश अब केवल संभावनाओं का राष्ट्र नहीं बल्कि परिणाम देने वाला, नीति-आधारित और दीर्घकालिक दृष्टि से संचालित राष्ट्र बन चुका है। वैश्विक परिदृश्य 2025 में किसी भी दृष्टि से आसान नहीं था। दुनिया आर्थिक मंदी की आशंकाओं, ऊर्जा संक्रमण के दबाव, आपूर्ति श्रृंखला में अस्थिरता और तीव्र होती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से जूझ रही थी। ऐसे समय में भारत का स्थिर, संतुलित और आत्मविश्वासी प्रदर्शन इस बात का संकेत बना कि देश अब वैश्विक परिस्थितियों का केवल अनुसरण करने वाला नहीं बल्कि कई मामलों में दिशा तय करने की क्षमता भी रखता है। भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यही रही कि तेज विकास और रणनीतिक परिपक्वता के बीच संतुलन साधते हुए उसने अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक स्थायित्व को प्राथमिकता दी।

आर्थिक मोर्चे पर 2025 भारत के लिए मजबूती का वर्ष रहा। वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत तक पहुंचना केवल एक आंकड़ा नहीं था बल्कि यह घरेलू मांग, सार्वजनिक निवेश और संरचनात्मक सुधारों की संयुक्त शक्ति का प्रमाण था। अप्रैल से जून 2025 की तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि ने यह संकेत दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अपनी आंतरिक गतिशीलता बनाए रखने में सक्षम है। केंद्रीय बैंक द्वारा वृद्धि अनुमान को 7.3 प्रतिशत तक संशोधित किया जाना आर्थिक लचीलेपन और नीति-विश्वसनीयता को दशार्ता है। लगभग 4.19 ट्रिलियन डॉलर के आकार के साथ भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना केवल रैंकिंग का विषय नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति-संतुलन में भारत की बढ़ती भूमिका का प्रतीक है।

विनिर्माण क्षेत्र में 2025 ने एक प्रकार से पुनर्जागरण का संकेत दिया। वर्षों से सेवा क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता के बाद अब विनिर्माण को विकास का मजबूत स्तंभ बनाने की दिशा में ठोस प्रगति दिखाई दी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में विनिर्माण उत्पादन की 4.26 प्रतिशत वृद्धि और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में निरंतर सुधार यह दशार्ता है कि उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने की रणनीति धरातल पर उतर रही है। इलैक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का 115 अरब डॉलर तक पहुंचना और निकट भविष्य में इसके तीव्र विस्तार की संभावना भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक महत्वपूर्ण स्थान दिलाने की भूमिका निभा रही है।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 2025 ने भारत को एक नई वैश्विक पहचान दी। यह वर्ष केवल प्रक्षेपणों की संख्या या तकनीकी प्रयोगों तक सीमित नहीं रहा बल्कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की भूमिका के गुणात्मक परिवर्तन का वर्ष बना। बड़े और जटिल संचार उपग्रहों की सफल तैनाती ने यह स्थापित किया कि भारत अब केवल किफायती लॉन्च सेवाओं तक सीमित नहीं है बल्कि उच्च-मूल्य और तकनीकी रूप से जटिल वाणिज्यिक मिशनों का भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। इन-ऑर्बिट सैटेलाइट डॉकिंग जैसी उन्नत क्षमता का सफल प्रदर्शन भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशनों, उपग्रह सेवा विस्तार और गहरे अंतरिक्ष अभियानों की आधारशिला है। मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम की दिशा में किए गए परीक्षण, स्वदेशी अंतरिक्ष-ग्रेड माइक्रोप्रोसेसर का विकास और छोटे उपग्रह प्रक्षेपण तकनीक का निजी क्षेत्र को हस्तांतरण, ये सभी संकेत देते हैं कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब नवाचार, आत्मनिर्भरता और निजी भागीदारी के नए युग में प्रवेश कर चुका है।

रक्षा क्षेत्र में 2025 को सुधार और आत्मनिर्भरता के निर्णायक वर्ष के रूप में देखा जा सकता है। सैन्य ढ़ांचे के आधुनिकीकरण के साथ-साथ संयुक्त युद्ध क्षमता को मजबूत करने की दिशा में गंभीर प्रयास किए गए। थलसेना, नौसेना और वायुसेना के बीच बेहतर समन्वय के लिए एकीकृत कमांड संरचना की ओर बढ़ना भविष्य की युद्ध आवश्यकताओं के अनुरूप एक रणनीतिक कदम है। नौसेना में नई पनडुब्बियों की तैनाती, स्वदेशी लड़ाकू विमानों की श्रृंखलाबद्ध आपूर्ति और रक्षा बजट में दीर्घकालिक निवेश यह स्पष्ट करता है कि भारत अब रक्षा क्षेत्र में आयात-निर्भरता से बाहर निकलकर घरेलू क्षमता निर्माण पर जोर दे रहा है। यह केवल सैन्य शक्ति का प्रश्न नहीं बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता का आधार भी है। बुनियादी ढ़ांचे के विकास ने 2025 में भारत के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को गहराई से प्रभावित किया। सड़क, रेल, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के विस्तार ने न केवल आवागमन को सुगम बनाया, बल्कि क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने की दिशा में भी भूमिका निभाई। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, सीमावर्ती सड़कों का निर्माण और तटीय विकास परियोजनाओं का क्रियान्वयन भारत को घरेलू रूप से अधिक एकीकृत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अधिक सक्षम बना रहा है।

पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, वैश्विक समाधान समझें

ललित गर्ग

वैश्विक परिवार दिवस, शान्ति और साझेदारी का एक दिन, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिवर्ष 1 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र सहस्त्राब्दी समारोह, ह्यशान्ति में एक दिनह्न से विकसित हुआ। समग्र विश्व एक वैश्विक ग्राम है और हम सभी इस बृहत्-परिवार का हिस्सा हैं। भारत ने तो वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष करते हुए समूची दुनिया को एक परिवार ही माना है। वैसे भारत की परिवार परम्परा दुनिया के लिये अनुकरणीय है। हम सभी एक परिवार हैं, चाहे हमारी नागरिकता, धर्म, जाति, सीमाएं या नस्ल कुछ भी हो। समग्र मानव जाति को एक साथ आना चाहिए और प्रेम और शान्ति में विश्वास करना चाहिए और विश्व में सुख और आशा लाने हेतु इसका अभ्यास करना चाहिए। संसार संघर्षों, युद्धों, उपद्रवों, कष्ट और पीड़ा से भरा पड़ा है। यदि हम सभी एक साथ आएं और दुनिया को प्रेम और धैर्य से ठीक करें, तो हम सभी खुशी से और अपने हृदयों में आशा के साथ रह सकते हैं। वैश्विक परिवार दिवस विविधता एवं एकता और विश्व शान्ति और अहिंसा महत्त्व के बारे में जागरूकता लाता है।

इस दिवस की शुरूआत 1997 में हुई जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नव सहस्राब्दी के पहले दिन से विश्व के बच्चों के लिए शांति और अहिंसा की संस्कृति के अंतर्राष्ट्रीय दशक की शुरूआत की। लिंडा ग्रोवर ने अमेरिका में इसे बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसे बढ़ावा देने के अन्य प्रयासों में 'वन डे इन पीस - जनवरी 1, 2000' जैसी पुस्तकें शामिल थीं। यह पुस्तक भविष्य में एक ऐसे दिन की अवधारणा पर आधारित थी जहाँ केवल शांति हो और कोई युद्ध न हो। हालांकि, यह एक नए शांतिपूर्ण विश्व की शुरूआत मात्र थी और 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों को उस वर्ष के पहले दिन को शांति निर्माण की रणनीतियों को विकसित करने के लिए समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र ने 2001 में वैश्विक परिवार दिवस को वार्षिक आयोजन घोषित कर दिया।

प्रत्येक वर्ष परिवार की भूमिका, उसकी बदलती संरचना और सामाजिक प्रासंगिकता पर विचार करने का अवसर देने वाला वैश्विक परिवार दिवस आज के समय में केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि वह आधुनिक समाज की सबसे गहरी विडंबनाओं और चुनौतियों को उजागर करने वाला एक चिंतन-दिवस बन गया है। परिवार मानव जीवन की वह मूल इकाई है, जहाँ व्यक्ति का भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक निर्माण होता है। भारतीय संदर्भ में परिवार केवल रक्त-संबंधों का समूह नहीं रहा, बल्कि वह संस्कारों की पाठशाला, शांति, सहयोग एवं सौहार्द की प्रयोगभूमि और जीवन-मूल्यों का आधार रहा है। इसी परिवार-परंपरा ने भारत को सदियों तक सामाजिक स्थिरता, अहिंसा, सहिष्णुता और मानवीय करुणा का देश बनाए रखा। आज विडंबना यह है कि जिस भारतीय परिवार व्यवस्था को दुनिया एक आदर्श मॉडल के रूप में देख रही है, उसी भारत में वह धीरे-धीरे उपेक्षा और विस्मृति का शिकार होती जा रही है। वैश्वीकरण, शहरीकरण, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी जीवनशैली ने परिवार को सुविधा-केंद्रित इकाई में बदल दिया है। संयुक्त परिवारों का विघटन, एकल परिवारों का बढ़ना और रिश्तों में औपचारिकता का प्रवेश इस परिवर्तन की स्पष्ट पहचान है। माता-पिता दोनों के कार्यरत होने की स्थिति में बच्चों के साथ समय बिताना एक चुनौती बन गया है। परिणामस्वरूप बचपन, जो कभी परिवार के स्नेह, संवाद और अनुभवों से संवरता था, आज स्क्रीन, अकेलेपन और भावनात्मक रिक्तता के बीच पनप रहा है। बच्चों के जीवन में माता-पिता की अनुपस्थिति केवल समय की कमी नहीं है, बल्कि वह सुरक्षा, संवाद और मार्गदर्शन की कमी भी है। परिवार का वह सहज वातावरण, जहाँ प्रश्न पूछे जा सकते थे, गलतियाँ स्वीकार की जा सकती थीं और भावनाएँ साझा की जा सकती थीं, आज धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। बुजुर्ग, जो कभी परिवार की धुरी हुआ करते थे, अनुभव और संस्कार के संवाहक थे, आज कई घरों में हाशिये पर खड़े दिखाई देते हैं। उनके पास समय नहीं, धैर्य नहीं और कभी-कभी सम्मान भी नहीं बचा। यह स्थिति केवल पीढ़ियों के बीच दूरी नहीं बढ़ा रही, बल्कि समाज को उसके नैतिक आधार से भी वंचित कर रही है।

दूसरी ओर, यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि वैश्विक स्तर पर आज परिवार की भूमिका को नए सिरे से समझा जा रहा है। पश्चिमी देशों में, जहाँ अत्यधिक व्यक्तिगत स्वतंत्रता ने सामाजिक अकेलेपन को जन्म दिया, अब परिवार, साझेदारी और सामूहिक जीवन की पुनर्स्थापना पर गंभीर विमर्श हो रहा है। इसी क्रम में वैश्विक परिवार दिवस को केवल परिवार के रूप में नहीं, बल्कि शांति, सहयोग और साझेदारी के प्रतीक के रूप में भी देखा जाने लगा है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में इस दिवस को शांति और साझेदारी के वैश्विक दिवस के रूप में भी परिवार और मानवीय संबंधों के महत्व को रेखांकित किया जाता है। यह संकेत देता है कि परिवार केवल निजी जीवन की इकाई नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और सामाजिक संतुलन की आधारशिला भी है।

दुनिया भर में संस्कृतियाँ और धर्म अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि पूरी मानव जाति एक बड़ा परिवार है जो एकजुट होकर ही जीवित रह सकती है। इस वर्ष वैश्विक परिवार दिवस की थीम 'परिवार, शिक्षा और कल्याणः आज और भविष्य' इस तथ्य की ओर संकेत करती है कि परिवार की भूमिका केवल बच्चों को पालने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह शिक्षा का पहला केंद्र और कल्याण का स्थायी आधार है।

वैश्विक परिवार दिवस की प्रासंगिकता इसी बिंदु पर सबसे अधिक उभरकर सामने आती है कि परिवार केवल रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि जीने की संस्कृति है। परिवार में बिताया गया समय निवेश है, व्यय नहीं। बच्चों के साथ संवाद, बुजुर्गों के साथ सहभागिता और रिश्तों के बीच संवेदनशीलता समाज के दीर्घकालिक स्वास्थ्य की गारंटी है। यदि आज परिवार टूट रहे हैं, तो उसका प्रभाव केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह सामाजिक असंतुलन, मानसिक तनाव और मूल्यहीनता के रूप में व्यापक रूप से सामने आएगा। इस संदर्भ में आवश्यक है कि हम परिवार को नए दृष्टिकोण से देखें। आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। कार्य और परिवार के बीच प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण हो। डिजिटल सुविधाओं के साथ मानवीय संवाद को भी उतना ही महत्व दिया जाए। बच्चों के लिए समय निकालना दायित्व नहीं, बल्कि भविष्य के समाज में निवेश के रूप में समझा जाए। बुजुर्गों को केवल सहारा नहीं, बल्कि मार्गदर्शक के रूप में पुनः स्वीकार किया जाए।

वैश्विक परिवार दिवस और शांति व साझेदारी का वैश्विक संदेश हमें यह सिखाता है कि परिवार जितना सशक्त होगा, समाज उतना ही शांत और सहयोगी बनेगा। परिवारों में संवाद होगा तो समाज में टकराव कम होंगे। परिवारों में साझेदारी होगी तो राष्ट्रों के बीच भी सहयोग की भावना मजबूत होगी। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, बल्कि वैश्विक समाधान के रूप में देखे। अंततः वैश्विक परिवार दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। यदि परिवार सशक्त हुए तो शांति, साझेदारी और मानवीय मूल्यों का भविष्य सुरक्षित रहेगा। भारतीय परिवार परंपरा आज भी प्रासंगिक है, आवश्यक है कि हम उसे समयानुकूल रूप देते हुए अपने जीवन के केंद्र में पुनः स्थापित करें, क्योंकि मजबूत परिवार ही मजबूत समाज और शांत विश्व की आधारशिला होते हैं। प्रेषकः

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

नये वर्ष में अनुत्तरित सवालों के जबावों की तलाश

काल का चक्र महाकाल के इशारे पर अपनी धुरी पर निरतंर - निर्विध्न घुमता रहता है।समय का पहिया कभी नहीं रुकता। वह न किसी सत्ता या सरकार के आदेश का इंतजार करता है, न किसी विचारधारा की अनुमति लेता है।हर वर्ष की विदाई दरअसल हमारे अपने कर्मों,निर्णयों और चूकों की विदाई होती है।जब हम वर्ष 2025 को अलविदा कह रहे हैं, तो यह केवल कैलेंडर का पन्ना पलटना नहीं है, बल्कि एक ऐसे दौर को पीछे छोड़ना है जिसने हमें बार-बार सच्चाई का आईना दिखाया–हमारी सामूहिक चेतना,हमारे लोकतंत्र,हमारी संवेदनशीलता और हमारे भविष्य की दिशा का। एक बार फिर से वर्ष 2025 उम्मीदों और आशंकाओं के बीच झूलता रहा।यह वर्ष न पूरी तरह अंधकारमय था, न पूरी तरह ऊजालों से भरा रहा। यह वह समय था जब तकनीक ने अभूतपूर्व छलांग लगाई, लेकिन इंसानी रिश्तों में दूरी भी बढ़ी। यह वह साल था जब अर्थव्यवस्था के आँकड़े मजबूत दिखे, लेकिन आम आदमी की थाली, नौकरी और सुरक्षा पर सवाल उठते रहे। यह वह वर्ष भी था जब लोकतंत्र की संस्थाओं पर बहस तेज हुई और नागरिक अधिकारों को लेकर समाज दो स्पष्ट धाराओं में बँटा दिखा।

2025 ने हमें सिखाया कि विकास केवल सड़क, पुल और इमारतों का नाम नहीं है। .विकास का असली पैमाना यह है कि आखिरी पंक्ति में खड़ा व्यक्ति कितना सुरक्षित, सम्मानित और सुना हुआ महसूस करता है।इस वर्ष ने यह भी बताया कि राष्ट्रवाद का सबसे सशक्त रूप वह होता है, जिसमें सवाल पूछने की आजादी सुरक्षित हो और असहमति को देशद्रोह न समझा जाए।

राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो 2025 में राजनीति और जनभावना के बीच की खाई और स्पष्ट हुई। राजनीति नेताओं ने अपने चुनावी भाषणों में जनता को सपने दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी , उनके घोषणापत्रों में वादे थे, लेकिन जमीनी सच्चाइयों से उनका मेल हमेशा नहीं बैठ पाया। सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिकाओं पर जनता की निगाहें टिकी रहीं। संसद से लेकर सड़कों तक,बहसें गरम रहीं–कभी कानूनों को लेकर,कभी संस्थाओं की स्वायत्तता को लेकर, तो कभी अभिव्यक्ति की सीमाओं को लेकर।

लोकतंत्र का सौंदर्य यही है कि वह सवालों से जीवित रहता है। 2025 में सवाल पूछे गए–कभी दबे स्वर में, कभी तेज आवाज में। पत्रकारिता, जो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कही जाती है, उसने भी इस वर्ष अपनी कठिन परीक्षा दी। कहीं वह दबाव में दिखी, कहीं साहस के साथ खड़ी नजर आई।सच और सत्ता के बीच की यह खींचतान 2025 की सबसे बड़ी पहचान बनकर उभरी।आर्थिक मोर्चे पर 2025 विरोधाभासों का वर्ष रहा। एक ओर स्टार्ट-अप,डिजिटल भुगतान,आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में तेज प्रगति दिखी।दूसरी ओर बेरोजगारी, महँगाई और असंगठित क्षेत्र की असुरक्षा ने लाखों परिवारों को चिंता में डाले रखा। शहरों की चमक और गाँवों की चुनौतियों के बीच की दूरी और गहरी होती प्रतीत हुई।यह वर्ष बार-बार याद दिलाता रहा कि अगर विकास समावेशी नहीं है, तो वह स्थायी भी नहीं हो सकता।

शिक्षा और युवाओं के संदर्भ में 2025 एक निर्णायक मोड़ जैसा रहा। युवा ऊर्जा से भरे हैं, सपने देखते हैं, सवाल करते हैं। लेकिन उनके सामने अवसरों की अनिश्चितता, प्रतियोगिता का दबाव और मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियाँ भी हैं। इस वर्ष ने यह साफ किया कि केवल डिग्री बाँटना पर्याप्त नहीं, बल्कि कौशल, नैतिकता और रोजगार की ठोस व्यवस्था करना समय की मांग है। युवा अगर आश्वस्त नहीं होंगे,तो भविष्य भी अस्थिर रहेगा।

तकनीक के क्षेत्र में वर्ष 2025 ऐतिहासिक रहा।आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस,ऑटोमेशन और डेटा-आधारित निर्णयों ने जीवन को सुविधाजनक बनाया,लेकिन साथ ही निजता,रोजगार और मानवीय हस्तक्षेप पर नए सवाल खड़े किए। यह वर्ष हमें चेतावनी देकर गया कि तकनीक साधन है, साध्य नहीं। अगर तकनीक का संचालन मानवीय मूल्यों के बिना हुआ, तो वह प्रगति नहीं, संकट बन सकती है।

पर्यावरण के मोर्चे पर 2025 ने सबसे कड़ा संदेश दिया। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की सच्चाई बन चुका है। कहीं बाढ़, कहीं सूखा, कहीं भीषण गर्मी–प्रकृति ने साफ शब्दों में कहा कि उसका धैर्य टूट रहा है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन का सवाल अब टाला नहीं जा सकता। यह वर्ष हमें याद दिलाकर गया कि धरती केवल संसाधन नहीं, हमारी साझी विरासत है।अगर हम सामाजिक ताने-बाने की बात करें तो 2025 में सहिष्णुता की परीक्षा हुई।विविधता हमारे समाज की ताकत रही है,लेकिन इसे कमजोरी समझने की प्रवृत्ति भी दिखी। धर्म, जाति, भाषा और विचार के नाम पर खिंची लकीरें कहीं-कहीं और गहरी हुईं।फिर भी इसी समाज में ऐसे स्वर भी उभरे जिन्होंने संवाद, समरसता और मानवीय मूल्यों की बात की। यही विरोधाभास 2025 की आत्मा रहा।

अब जब हम नववर्ष 2026 की दहलीज पर खड़े हैं, तो सवाल यह नहीं कि नया साल हमें क्या देगा, बल्कि यह है कि हम नए साल को क्या देंगे। क्या हम पुराने पूर्वाग्रहों को भी साथ लेकर जाएंगे, या उन्हें यहीं छोड़ देंगे? क्या हम केवल शिकायतों की सूची बढ़ाएंगे, या समाधान का हिस्सा बनेंगे?

2026 का स्वागत केवल आतिशबाजी और शुभकामनाओं से नहीं होना चाहिए,बल्कि संकल्पों से होना चाहिए।संकल्प–एक अधिक संवेदनशील समाज का, एक अधिक जवाबदेह शासन का, एक अधिक ईमानदार सार्वजनिक जीवन का। हमें यह स्वीकार करना होगा कि बदलाव किसी एक सरकार,संस्था या व्यक्ति से नहीं आता; वह सामूहिक चेतना से जन्म लेता है।

नववर्ष 2026 हमें यह अवसर देता है कि हम संवाद को टकराव से ऊपर रखें।असहमति को शत्रुता न बनने दें। सवाल पूछने को अपराध नहीं, बल्कि जिम्मेदारी समझें। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब नागरिक जागरूक, निर्भीक और संवेदनशील होंगे।

आर्थिक रूप से 2026 से अपेक्षा है कि विकास के लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचें। रोजगार सृजन केवल आँकड़ों में नहीं, जमीन पर दिखे। किसान, श्रमिक, छोटे व्यापारी और मध्यम वर्ग–सभी को भरोसा मिले कि वे विकास की यात्रा के सहभागी हैं, दर्शक नहीं।

पर्यावरण के संदर्भ में 2026 को चेतना का वर्ष बनना होगा। यह समझ विकसित करनी होगी कि प्रकृति के साथ युद्ध नहीं, सहअस्तित्व ही एकमात्र रास्ता है। नदियाँ, पहाड़, जंगल–ये केवल भौगोलिक संरचनाएँ नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता की साँसें हैं।

युवाओं के लिए 2026 आशा का वर्ष बन सकता है, बशर्ते उन्हें अवसर, मार्गदर्शन और विश्वास मिले। उनकी ऊर्जा को नकारात्मक दिशाओं में भटकने से रोकना समाज और शासन दोनों की जिम्मेदारी है। युवा अगर राष्ट्र निर्माण में सहभागी होंगे, तो भविष्य स्वतः सुरक्षित होगा।

अंततः, वर्ष 2025 को अलविदा कहना केवल बीते समय को विदा करना नहीं है, बल्कि उसकी सीख को साथ लेना है।गलतियों से सीखकर आगे बढ़ना ही समय की सबसे बड़ी समझदारी है। नववर्ष 2026 हमारे सामने एक खुली किताब की तरह है–इसके पन्नों पर क्या लिखा जाएगा, यह हमारे आज के निर्णय तय करेंगे।

आइए,इस नववर्ष 2026 पर यह संकल्प लें कि हम सभी अधिक संवेदनशील,अधिक जिम्मेदार और अधिक ईमानदार मानव बनेगें। क्योंकि जब समाज बेहतर बनता है, तभी वर्ष भी वास्तव में नया होता है।

वर्ष 2025 को विनम्र विदाई के संग नववर्ष 2026 का स्वागत–उम्मीद, विवेक और विश्वास के साथ करें । हमारी हार्दिक शुभकामनाएं स्वीकार करे ।नव वर्ष मंगलमय हो

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप त्रुटिरहित एवं पारदर्शी निर्वाचक नामावली तैयार करना आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता-विशेष रोल प्रेक्षक

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग से नामित विशेष रोल प्रेक्षक निखिल गजराज (आई0ए0एस0 द्वारा जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, अमरोहा तथा जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय राजनैतिक दलों के जिलाध्यक्ष/मंत्री/प्रतिनिधियों के साथ विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में बैठक आहूत की गयी। विशेष प्रेक्षक द्वारा सभी राजनैतिक दलों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संशोधित कार्यक्रम के बारे में बताया गया। जिसके अनुसार 06 जनवरी 2026 को निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन किया जायेगा। 06 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जायेगी। 06 जनवरी 2026 से 27 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण में गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे-आपत्तियों का निस्तारण संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा किया जायेगा। 03 मार्च 2026 तक आयोग से अन्तिम प्रकाशन की अनुमति प्राप्त की जायेगी तथा जनपद में निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूचियों) का अन्तिम प्रकाशन दिनांक 06 मार्च 2026 को किया जायेगा। बैठक के दौरान विशेष रोल प्रेक्षक ने मतदाता सूची के शुद्धीकरण, समावेशन, विलोपन एवं संशोधन की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की तथा राजनीतिक दलों से प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वस्त किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं समावेशी निर्वाचक नामावली तैयार करना आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा भी जनपद में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया गया कि पात्र कोई भी मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा अपात्र प्रविष्टियों को समयबद्ध ढंग से हटाया जाए, इसके लिए प्रशासन पूर्ण तत्परता से कार्य कर रहा है।विशेष रोल प्रेक्षक निखिल गजराज द्वारा बैठक में उपस्थित सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से पूछा गया कि अनुपस्थित/शिफ्टेड/मृतक/डुप्लीकेट मतदाताओं की सूचियों पर किसी को कोई आपत्ति/सुझाव हो, तो उपलब्ध करायें, जिसके प्रत्युत्तर में सभी राजनैतिक दलों द्वारा सहमति व्यक्त की गयी। राजनैतिक दलों द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर बैठकें आयोजित करते हुए आयोग के नवीनतम निर्देशों से अवगत कराया गया है तथा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्यों में भी जिला प्रशासन द्वारा पूरी सजगता के साथ कार्य किया गया है। सभी राजनैतिक दलों से अनुरोध किया गया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सम्भाजन के पश्चात जनपद की सभी निर्वाचन क्षेत्रों में बढ़े हुए मतदेय स्थलों पर अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। अतः बढ़े हुए मतदेय स्थलों पर अपने बूथ लेवल एजेण्ट नियुक्त करते हुए सूचियां उपलब्ध कराने का कष्ट करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गरिमा सिंह, डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह, भाजपा से हिमांशु त्यागी, जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी मस्तराम सिंह यादव, प्रतिनिधि कांग्रेश फैज आलम राईनी, प्रतिनिधि बसपा जफर महमूद अब्बासी सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पं0 दीनदयाल उपाध्याय स्वरोजगार योजना के अंतर्गत योजनाओं से मिलेगा रोजगार

अमरोहा (सब का सपना):- जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) /जिला प्रबन्धक, उ०प्र० अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लि०, अमरोहा पंखुरी जैन ने जानकारी देते हुए कहा कि उ०प्र० अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लि०, द्वारा विगत वर्षो में विभिन्न योजनओं यथा पं० दीनदयाल उपाध्याय स्वरोजगार योजना मार्जिन मनी ऋण/अनुविनि पम्पसेट योजना/सिलाई मशीन / रिक्शा ठेला योजना/महिला समृद्धि योजना /टर्मलोन योजना/लघु उद्योग/ व्यवसाय ऋण योजना/सैनेटरी मार्ट योजना/स्वच्छकार विमुक्ति एवं पुनर्वासन आदि योजनाओं के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को वितरित ऋणों की वसूली को प्रबन्ध निदेशक, उ०प्र० अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लि० लखनऊ के द्वारा बकायेदारों को एक बड़ी राहत देने वाली एकमुश्त समाधान योजना को 01जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक बढ़ाये जाने को निर्णय लिया गया है तथा उन पर दण्ड ब्याज एवं चक्रवृद्धि ब्याज लगाकर एक बड़ी राशि हो गयी है को अब मात्र निर्धारित अवधि का ही साधारण ब्याज लेकर एकमुश्त खाते को बन्द कर दिया जायेगा, जिससे लाभार्थी को दण्ड ब्याज चक्रवृद्धि ब्याज एवं निर्धारित अवधि के बाद के वर्षों का भी समस्त ब्याज माफ कर दिया जायेगा। अब एकमुश्त समाधान योजना 31 मार्च, 2028 तक लागू रहेगी। अतः उ०प्र० अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लि० से अनुसूचित जाति के पूर्व में लाभान्वित अधिदेय बकायेदारों को सरकार द्वारा दी जा रही बड़ी छूट का लाभ उठाने के लिए सूचित किया जा रहा है कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठायें तथा अपने ऋण खातों को समयान्तर्गत बन्द कर दें। अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्यदिवस में जनपदीय कार्यालय कक्ष संख्या 217 विकास भवन अमरोहा अथवा मोबाइल संख्या 9045917716 से भी सम्पर्क कर सकते हैं।

नववर्ष के अवसर पर जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था सुदृढ़, पुलिस द्वारा सघन चेकिंग अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में नववर्ष के पूर्व दिवस पर जनपद में कानून एवं शांति/सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अमरोहा पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में मुख्य मार्गों, प्रमुख चौराहों एवं जनपदीय बॉर्डरों पर बैरियर लगाकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गहन जांच की जा रही है। चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है तथा संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है।

अमरोहा पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें, पहचान पत्र साथ रखें तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। जनपद में शांति, सुरक्षा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने हेतु पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है।

मिशन शक्ति अभियान 5 के तहत महिला सुरक्षा दल का जागरूकता अभियान

नववर्ष पर महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद के निर्देशन में मिशन शक्ति 5 के विशेष अभियान के अंतर्गत महिला सुरक्षा दल अमरोहा पुलिस द्वारा नववर्ष के अवसर पर जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान के तहत शक्ति दीदी/बीट आरक्षियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस दौरान महिलाओं/बालिकाओं को पम्पलेट वितरित कर विभिन्न महिला हेल्पलाइन नंबरों, आपातकालीन सेवाओं, साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया सुरक्षा एवं सतर्कता संबंधी विषयों पर विस्तार से जागरूक किया गया। महिला सुरक्षा दल द्वारा महिलाओं से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की असुविधा, उत्पीड़न या साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करें तथा हेल्पलाइन नंबरों का अधिक से अधिक उपयोग करें। साथ ही, नववर्ष के अवसर पर सुरक्षित एवं जागरूक समाज के निर्माण में पुलिस का सहयोग करने का संदेश भी दिया गया।

अमरोहा पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण हेतु इस प्रकार के जागरूकता अभियानों का आयोजन निरंतर जारी रहेगा।

धनौरा में अवैध अस्पतालों पर प्रशासन का एक्शन,आधा दर्जन अस्पताल किए सील

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र स्थित एक नर्सिंग होम में प्रसूता की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी पूरी तरह सक्रिय हो गए हैं उन्होंने महिला की मौत के बाद क्षेत्र में फैले अवैध अस्पतालों पर बड़ा एक्शन लेने का फैसला कर लिया है। जिसके चलते स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी क्षेत्र में चल रहे अवैध अस्पतालों पर शिकंजा कसते हुए लगातार कार्यवाही कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्यवाही के चलते धनौरा क्षेत्र में करीब आधा दर्जन अस्पतालों को सील किया गया है। बता दें कि धनौरा सीएचसी प्रभारी राहुल कुमार के नेतृत्व में मंगलवार की देर रात अभियान चलाया गया इस दौरान क्षेत्र में चल रहे अवैध अस्पतालों की चैकिंग करते हुए आधा दर्जन अस्पतालों को सील किया गया। इन अस्पतालों को बिना मानक अनुमति और पंजीकरण के संचालित किया जा रहा था, जांच में इनमें व्यवस्थाओं में भी भारी खामियां पाई गईं ,जिसके बाद इन्हें बंद करने का निर्णय लिया गया। इससे पहले माधव नर्सिंग होम में प्रसूता की मौत के मामले में हुए हंगामा के बाद संचालक दंपति समेत 7 डॉक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की जा चुकी है। इसके बाद अब स्वास्थ्य विभाग ने जिले में फैले अवैध अस्पतालों की एक सूची तैयार की है और आगे भी जांच जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।धनौरा सीएचसी प्रभारी राहुल कुमार ने कहा है कि बिना लाइसेंस अस्पताल चलाना एक अपराध है और मरीजों की जान से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, उन्होंने यह भी बताया कि जांच में दोषी पाए गए केंद्र पर भविष्य में भी सख्त कार्यवाही की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई इस कार्यवाही के बाद इलाके में चल रहे अस्पताल संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है और कई अस्पतालों ने तो अपने दस्तावेज अपडेट करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इस कार्यवाही को करने वाले अधिकारियों में धनौरा सीएचसी प्रभारी डॉ राहुल कुमार के साथ संदीप कुमार,विनोद कुमार और शैली यादव भी शामिल रहे।

पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक में गोवंश संरक्षण पर जोर

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में पशुपालन विभाग के अपर निदेशक (ग्रेड-11) मुरादाबाद मंडल की अध्यक्षता में विभागीय योजनाओं की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक की शुरूआत गौ-आश्रय स्थलों की समीक्षा से हुई, जिसमें सर्दी से गोवंश की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त ने बताया कि सभी आश्रय स्थलों में ठंड से बचाव के लिए त्रिपाल, काऊ कोट और आलाव की व्यवस्था पूरी कर ली गई है। अपर निदेशक ने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि वर्तमान कड़ाके की ठंड में किसी भी गोवंश की मृत्यु नहीं होनी चाहिए। सभी शेडों को रात्रि में त्रिपाल से ढकने, अलाव जलाने, पशुओं को दिन में दो बार ताजा पानी पिलाने और छोटे बछड़ों तथा बुजुर्ग गोवंश का विशेष ख्याल रखने के आदेश दिए। साथ ही काबोर्हाइड्रेट युक्त चारा देने पर बल दिया गया ताकि गोवंश ठंड से सुरक्षित रहे। आश्रय स्थलों के भरण-पोषण तथा मुख्यमंत्री सहभागिता योजना की मासिक डिमांड हर माह 25 तारीख तक भेजने के निर्देश दिए गए। एलएस टीकाकरण और कृत्रिम गभार्धान की प्रगति की समीक्षा हुई तथा भारत ऐप पर दैनिक अपडेट अनिवार्य किया गया।बैठक में एक सराहनीय कार्य की प्रशंसा हुई। विकासखंड जोया के ग्राम भीकनपुर मुंडा में यूपी पोल्ट्री पॉलिसी-2022 के तहत संचालित बीएम और एमएम पोल्ट्री लेयर फार्म (प्रतिदिन 50-55 हजार अंडे उत्पादन) के संचालक मोहित कुमार ने खेया माफी गौ-आश्रय स्थल को एक जनरेटर दान में दिया। इससे बिजली कटौती के दौरान पानी पिलाने और चारा काटने में सुविधा होगी। इस अनुकरणीय कार्य के लिए अपर निदेशक और मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने मोहित कुमार को सम्मानित किया।

जिलाधिकारी ने रबी फसलों हेतु उर्वरक बिक्री/वितरण की निगरानी के लिए नोडल अधिकारियों को किया नामित

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि जनपद में कृषकों के द्वारा रबी फसलों में टॉप/ड्रेसिंग का कार्य समयान्तर्गत करने के कारण कृषकों के मध्य उर्वरकों की मॉग में तीव्र वृद्धि हो रही है। वर्तमान में कृषकों के द्वारा की जा रही दैनिक औसत खपत के दृष्टिगत सहकारिता क्षेत्र की अपेक्षा निजी क्षेत्र में उर्वरक का विक्रय काफी कम है, जिसके दृष्टिगत कृषकों को निर्धारित दरों पर उनकी जोत/कृषित भूमि के आधार पर उर्वरक उपलब्ध कराना एवं उर्वरकों की ससमय व्यवस्था कराने, उर्वरकों की बिक्री/वितरण के साथ अन्य उत्पादों की टैगिंग रोकने, ओवररेटिंग, कालाबाजारी तथा तस्करी की सतत निगरानी रखने तथा कृषकों को संतुलित मात्रा में उर्वरकों के प्रयोग हेतु टी0एस0पी0 तथा एन0पी0के0 उर्वरको के प्रयोग हेतु जागरूक किया जाये एवं कृषकों में उर्वरकों का वितरण/बिक्री पी0ओ0एस0 मशीन के माध्यम से अनिवार्य रूप से कराये जाने हेतु राजस्व, कृषि एवं अन्य सम्बन्धित विभागों के कर्मचारियों/अधिकारियों को न्याय पंचायतवार एवं विकास खण्डवार नामित किया गया है। जिलाधिकारी ने नामित कर्मचारी एवं नोडल अधिकारी को निर्देश दिए कि अपने-अपने विकास खण्ड में स्थित सहकारी समिति एवं अन्य सहकारी संस्थाओं तथा निजी क्षेत्र के उर्वरक बिक्री केन्द्रों का भ्रमण करते हुए निर्धारित बिन्दुओं के अनुसार कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें। यूरिया, डी0ए0पी0, एन0पी0के0 काम्प्लेक्स एवं एम0ओ0पी0 की निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य दर के अन्तर्गत बिक्री सुनिश्चित कराई जाये। यदि कोई उर्वरक विक्रेता अधिकतम खुदरा मूल्य दर से अधिक मूल्य पर उर्वरक बिक्री करता पाया जाये तो उसके विरूद्ध उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक या मिश्रित) (नियन्त्रण) आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत निहित प्राविधानानुसार कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करायी जाये।

जनपद में आपूर्तित एवं उपलब्ध उर्वरकों का कृषकों के मध्य उनकी कृषि जोत फसल के अनुसार एवं उनके आधार कार्ड के अनुसार वितरण सुनिश्चित कराया जाये। यदि कोई थोक उर्वरक विक्रेता या फुटकर उर्वरक विक्रेता मुख्य उर्वरकों यथा यूरिया, डी0ए0पी0, एन0पी0के0 काम्प्लेक्स, एम0ओ0पी0 एवं एस0एस0पी0 के साथ अन्य उत्पादों को भी खरीदने हेतु बाध्य करता है तो सम्बन्धित के विरूद्ध उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक या मिश्रित) (नियन्त्रण) आदेश 1985 एवंआवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत एवं अन्य प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। ऐसे उर्वरक विनिमार्ता/प्रदायकर्ता संस्था पर भी सतर्क दृष्टि रखी जाये, जिनके द्वारा किसी थोक उर्वरक विक्रेता को प्रमुख उर्वरक यूरिया, डी0ए0पी0, एन0पी0के0 काम्प्लेक्स, एम0ओ0पी0 एवं एस0एस0पी0 की आपूर्ति किये जाने हेतु अन्य उत्पादों को क्रय करने हेतु बाध्य किया जाता है। ऐसी स्थिति में सम्बन्धित उर्वरक विनिमार्ता/प्रदायकर्ता संस्था के विरूद्ध उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक या मिश्रित) (नियन्त्रण) आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत नियमों के उल्लंघन में एफ0आई0आर0 दर्ज कराते हुए विधिक कार्यवाही सुनिश्चित करायी जाये। प्रत्येक उर्वरक व्यवसायी के स्तर पर स्टॉक पंजिका, विक्रय पंजिका तथा रसीद बुक अनिवार्य रूप से अपडेट रखी जाए या ऐसे प्रारूप में डिजिटल स्टाक रजिस्टर, जो तिथिवार स्टाक स्थिति, आरम्भिक अतिशेष दिन के दौरान प्राप्तिया, दिन के दौरान विक्रय और अन्तिम स्टाक को स्पष्टतः प्रदर्शित करता हो, का होना आवश्यक है। जनपद में थोक/फुटकर उर्वरक विक्रेताओं तथा उर्वरक बिक्री केन्द्रों पर उर्वरकों की उर्वरकवार बिक्री दर तथा स्टॉक का अंकन रेट/स्टॉक बोर्ड पर प्रतिदिन अंकित किया जाये। उर्वरकों की बिक्री की सतत निगरानी करते हुए कृषकों को उनकी जोत-बही/खतौनी देखकर उसमें अंकित कृषि भूमि एवं उगाई जाने वाली फसल की निर्धारित संस्तुतियों के अनुसार पी0ओ0एस0 मशीन के माध्यम से उर्वरकों की बिक्री सुनिश्चित करायी जाये।

सीडीओ की अध्यक्षता में हुई पी0एल0एफ0एस0/आसूस सर्वेक्षण अनुश्रवण समीति की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी महोदय, अमरोहा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में पी०एल०एफ०एस० / आसूस सर्वेक्षण अनुश्रवण समीति की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अनुश्रवण समीति के सदस्य अमित कुमार (उप-सहायक निदेशक कारखाना), दीपनारायण (सहायक उपायुक्त उद्योग), मौ० दानिश (जिला सूचना अधिकारी), श्रम विभाग के प्रतिनिधि व श्री पुनीत कुमार, जिला अर्थ एंव संख्याधिकारी, अपर सांख्यिकीय अधिकारी, पी०एल०एफ०एस०/आसूस के पर्यवेक्षक एंव सुपरवाइजर उपस्थित रहें। जिला अर्थ एंव संख्याधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि पी०एल०एफ०एस० (आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण) सर्वेक्षण में माह दिसम्बर 2025 तक कुल 18 इकाईयों का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष 19 इकाईयों का जून 2026 तक अवशेष कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। आसूस (असंगठित क्षेत्र के उद्यमों का वार्षिक) सर्वेक्षण में माह दिसम्बर 2025 तक 48 इकाईयों का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उक्त सर्वेक्षण कार्यों की निगरानी एंव कार्य नियोजन विभाग द्वारा किया जा रहा है। पी०एल०एफ०एस० (आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण) में रोजगार एंव बेरोजगारी का आंकलन विभिन्न प्रकार के उद्यमो एंव सेवाओं में कार्यरत श्रमिकों की संख्या का अनुमान स्वःरोजगार, वेतनभोगी, बेरोजगारों की संख्या का अनुमान महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी का आंकलन ग्रमीण एवं शहरी क्षेत्र में रोजगार स्वरूप का आंकलन करना है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सर्वेक्षण कार्य ससमय पूर्ण करने पर जिला अर्थ एंव संख्याधिकारी को बधाई दी। साथ ही जिला अर्थ एवं सख्याधिकारी को निर्देश दिये कि सर्वेक्षण का मानक के अनुसार निरीक्षण करते हुये आंकड़ो का एकत्रीकरण गुणवत्ता पूर्वक कर ससमय प्रेषित किया जाए।

सपा कार्यकर्ताओं ने मनाई लोक बंधु राज नारायण की पुण्यतिथि, दो स्थानों पर श्रद्धांजलि सभाएं

कार्यकर्ताओं ने राज नारायण के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया और उनके आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

संभल(सब का सपना):- जनपद में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रखर समाजवादी नेता और स्वतंत्रता सेनानी लोक बंधु स्वर्गीय राज नारायण की 39वीं पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। दो अलग-अलग स्थानों पर आयोजित सभाओं में कार्यकर्ताओं ने राज नारायण के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लियाkपहली सभा जिला कैंप कार्यालय बहजोई पर संपन्न हुई, जहां सपा के जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा, "लोक बंधु राज नारायण ने जुनून के साथ राजनीति की और हमेशा गरीबों के हितेषी बने रहे। 1977 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को हराकर इतिहास रच दिया। उनकी 31 दिसंबर 1986 को ली गई अंतिम सांस आज भी हमें प्रेरित करती है।" अंसारी ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे राज नारायण के बताए रास्ते पर चलकर पार्टी को मजबूत बनाएं। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शखधार ने भी संबोधन में कहा, "कार्यकर्ताओं को लोक बंधु के स्वतंत्रता संग्राम और समाजवादी आंदोलन के योगदान को याद रखना चाहिए।" सभा में उमेश यादव (विधानसभा अध्यक्ष), शोभित कुमार काका, कमल शर्मा, निसार अहमद, सद्दाम कुरेशी, शारदा यादव, मुकेश यादव, हो राम सिंह जाटव, अरविंद यादव, अशोक राणा, राजू खड़कवंशी, मेहंदी हसन, रवि शंखधार, आकाश शंखधार, अश वरनवाल, नीतू यादव, शेख सददन, राशिद, मुबारक, नजाकत, रियासत आदि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। दूसरी ओर, सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खान के निजी कार्यालय पर भी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। फिरोज खान ने स्वयं राज नारायण के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। संबोधन में उन्होंने कहा, "राज नारायण ने गरीबों और मजदूरों के लिए जीवन समर्पित किया। 1977 में इंदिरा गांधी को हराना उनके साहस का प्रतीक था। हम सभी को उनके जुनून से प्रेरणा लेनी चाहिए।" उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी को मजबूत बनाने के लिए राज नारायण के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में रामरहीस यादव, जबर सिंह, आरिफ खान, शाहरुख, सलीम, गुलाम मुस्तफा, शान अब्बास, मोनिस, गौरव यादव, फैजान, अमरपाल, नफीस आदि ने भाग लिया। ये सभाएं सपा के लिए राज नारायण के योगदान को स्मरण करने का अवसर बनीं, जो पार्टी के मूल्यों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कार्यकर्ताओं ने आगामी चुनावों में उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प दोहराया।

पुलिसकर्मियों को भावपूर्ण विदाई, सम्मान समारोह में प्रशस्ति पत्र व उपहार किए गए भेंट

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के पुलिस लाइन बहजोई में बुधवार को एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। अधिवर्षता आयु पूर्ण करने पर सेवानिवृत्त हो रहे पुलिसकर्मियों को सम्मानित करते हुए उन्हें भावपूर्ण विदाई दी गई। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों ने उनके लंबे सेवाकाल, निष्ठा, अनुशासन और उत्कृष्ट कार्यों की खुलकर सराहना की। समारोह की अध्यक्षता सहायक पुलिस अधीक्षक (क्षेत्राधिकारी सम्भल) आलोक कुमार ने की। उन्होंने सेवानिवृत्त प्रत्येक पुलिसकर्मी को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह के रूप में उपहार भेंट किए। साथ ही, शॉल ओढ़ाकर और पुष्पमाला पहनाकर उनका सम्मान किया गया। आलोक कुमार ने कहा, ये सेवानिवृत्त साथी पुलिस विभाग की रीढ़ रहे हैं। उनकी निष्ठा और समर्पण हमेशा प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और परिवारजनों ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के समर्पित जीवन की झलकियां साझा कीं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और सुखमय भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। भावभीनी विदाई देते हुए समारोह समापन घोषित किया गया। इस समारोह में सेवानिवृत्त हुए पुलिसकर्मी उप निरीक्षक रमनपाल सिंह (थाना बनियाठेर) उप निरीक्षक अशोक कुमार बाबू (महिला थाना) बहजोई सहित तीन आरक्षी शामिल हैं। यह समारोह न केवल सेवानिवृत्त कर्मियों के योगदान को मान्यता देता है, बल्कि पुलिस विभाग की पारिवारिक एकजुटता को भी दशार्ता है।

बीएसडी एकेडमी धनोरा में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनोरा स्थित बीएसडी एकेडमी में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नौगावां सादात विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक समरपाल सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक समरपाल सिंह द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस दौरान स्कूल के प्रबंधक, शिक्षकगण, अभिभावक और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों ने मां सरस्वती जी की स्तुति के साथ-साथ देशभक्ति गीतों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए, जिसने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों की मासूमियत भरी प्रस्तुतियों पर तालियों की गड़गड़ाहट गूंजती रही। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे लोक नृत्य, नाटक और गायन ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। बच्चों ने देशभक्ति के भाव से ओत-प्रोत गीत गाकर सभी को प्रेरित किया। विधायक समरपाल सिंह ने अपने संबोधन में बच्चों की प्रतिभा की सराहना की और स्कूल प्रबंधन नितिन धारीवाल को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्कूल के प्रधानाचार्य ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि बीएसडी एकेडमी हमेशा से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास करती रही है। यह वार्षिकोत्सव न केवल बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने का माध्यम बना, बल्कि स्थानीय समुदाय को एकजुट करने का भी अवसर साबित हुआ। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए। कुल मिलाकर यह आयोजन यादगार और प्रेरणादायी रहा।

राष्ट्रीय लोक दल पार्टी की जनपद स्तरीय मासिक बैठक का किया गया आयोजन

बैठक में संगठन की मजबूती, जनसमस्याओं और आगामी रणनीतियों पर की गई चर्चा

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के जिला कार्यालय में राष्ट्रीय लोक दल की एक भव्य एवं ऊजार्वान मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कैसर अब्बास ने की। बैठक में संगठन की मजबूती, जनसमस्याओं और आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गईkबैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष कैसर अब्बास ने कहा कि राष्ट्रीय लोक दल किसानों, मजदूरों, युवाओं और अल्पसंख्यकों की आवाज को मजबूती से उठाने वाली पार्टी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बूथ स्तर तक संगठन को और सशक्त करें तथा सरकार की जनविरोधी नीतियों को जनता के बीच उजागर करें। मुख्य रूप से सम्भल शहर अध्यक्ष मुहम्मद शारिक जीलानी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि मौजूदा समय में जनता महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की दुर्दशा से परेशान है। राष्ट्रीय लोक दल ही एकमात्र ऐसा मंच है जो जमीन से जुड़ी राजनीति करता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को आम जनता तक पहुँचाना चाहिए। इस अवसर पर अनीस सैफी ने जोशीले शब्दों में कहा कि आज लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करने की कोशिशें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक दल सामाजिक न्याय, भाईचारे और समानता की राजनीति करता है। किसानों की आय, युवाओं के रोजगार और गरीबों के हक के लिए पार्टी सड़क से सदन तक संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। अनीस सैफी ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी को और मजबूत बनाने तथा आने वाले समय में हर आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। बैठक में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए और संगठन को गांव, मोहल्ला व वार्ड स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया। सभी ने एक स्वर में पार्टी नेतृत्व के प्रति आस्था जताते हुए राष्ट्रीय लोक दल को जनपद में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का संकल्प लिया। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और अंत में संगठन की मजबूती व जनहित के लिए कार्य करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर कैसर अब्बास, मुहम्मद शारिक जीलानी, फहीम खान, आरिफ रजा, खलील अहमद, रजी उल हसन, अनीस सैफी, आदि मौजूद रहे !

सघन मत्स्य पालन के लिए एरेशन सिस्टम पर अनुदान, ऑनलाइन आवेदन शुरू

अमरोहा (सब का सपनाः- जनपद अमरोहा में मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य पालकों को स्वरोजगार और बेहतर आय प्रदान करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण योजना संचालित की जा रही है। सहायक निदेशक मत्स्य नीतू सिंह ने जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य सेक्टर अंतर्गत सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम की स्थापना योजना में विशेष रूप से महिलाओं के लिए अनुदान उपलब्ध है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य तालाबों में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाकर मछली उत्पादन को कई गुना बढ़ाना है, जिससे मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि हो और रोजगार के नए अवसर सृजित हों। एरेशन सिस्टम आधुनिक तकनीक पर आधारित है, जो पैडल व्हील एरेटर के माध्यम से पानी में घुलित ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करता है। इससे मछलियों की वृद्धि तेज होती है। उत्पादकता पहले से 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। योजना के तहत इकाई लागत पर सब्सिडी प्रदान की जाती है, विशेषकर महिलाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया विभागीय पोर्टल http://fisheries.up.gov.in पर 29 दिसंबर 2025 से शुरू हो चुकी है और यह 7 जनवरी 2026 तक खुली रहेगी। इच्छुक मत्स्य पालक, विशेषकर महिलाएं, इस अवधि में आवेदन कर सकती हैं। योजना का विस्तृत विवरण, इकाई लागत, आवश्यक दस्तावेज, आवेदन प्रक्रिया आदि की पूरी जानकारी इसी वेबसाइट पर उपलब्ध है। यदि भविष्य में कोई संशोधन होता है तो संशोधित नियम लागू होंगे। पूर्व वर्षों में निरस्त या प्रतीक्षारत आवेदनों वाले आवेदक भी पुनः आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जनपदीय मत्स्य कार्यालय, मोहल्ला मोती नगर, अमरोहा में किसी भी कार्य दिवस पर संपर्क किया जा सकता है। यह योजना न केवल मत्स्य पालन को बढ़ावा देगी बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में भी सहायक सिद्ध होगी।

दिव्यांगों की सर्दी से रक्षा के लिए कंबल वितरण की मांग, फाउंडेशन ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

संभल(सब का सपना):- बढ़ती ठंड और शीतलहर के बीच जनपद संभल में जरूरतमंद दिव्यांग महिलाओं एवं पुरुषों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। इस मुद्दे को उठाते हुए राष्ट्रीय दिव्यांग महिला सशक्तिकरण विकास फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद कासिम ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। ज्ञापन में कहा गया है कि वतमान शीत ऋतु अत्यधिक कष्टदायक हो चुकी है। जनपद के कई गरीब, असहाय एवं आर्थिक रूप से कमजोर दिव्यांगजन ठंड से बचाव के लिए कंबल और अन्य आवश्यक साधनों से वंचित हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य गंभीर खतरे में है। दिव्यांगजन समाज का संवेदनशील वर्ग हैं और उन्हें इस मौसम में विशेष सहायता की जरूरत है। मोहम्मद कासिम ने प्रार्थना की है कि राज्य सरकार जिलों एवं तहसीलों के माध्यम से जरूरतमंद दिव्यांगों के लिए कंबल वितरण की व्यवस्था कराए। इससे न केवल उन्हें सर्दी से राहत मिलेगी, बल्कि उनके जीवन की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। फाउंडेशन ने यह भी आश्वासन दिया है कि इस जनहितकारी कार्य में प्रशासन को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से इस मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने की अपील की गई है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने शीतलहर से निपटने के लिए स्तर पर रैन बसेरे, अलाव और कंबल वितरण के व्यापक इंतजाम किए हैं। कई जिलों में हजारों कंबल वितरित किए जा चुके हैं। हालांकि, दिव्यांगजनों के लिए विशेष व्यवस्था की मांग को लेकर यह ज्ञापन महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फाउंडेशन के अध्यक्ष मोहम्मद कासिम पहले भी दिव्यांगों के अधिकारों के लिए सक्रिय रहे हैं और विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन एवं ज्ञापन सौंप चुके हैं।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने किया नवनिर्मित कान्हा गौशाला का लोकार्पण

इंदिरा चौक चौराहा पर किसी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होना चाहिएः- कृष्ण कुमार बिश्नोई

गुन्नौर/संभल(सब का सपना):- तहसील गुन्नौर के ग्राम बाघऊ के र्शन में नवनिर्मित कान्हा गौशाला का जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के द्वारा लोकार्पण किया निकट खेरे वाले शिव मंदिर बबराला पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा एवं नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में नवनिर्मित कान्हा गौशाला का जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के द्वारा लोकार्पण किया गया। जिसमें जिलाधिकारी ने गौशाला का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान गोवंशों के लिए बने मंगला सदन,धनु सदन,सुरभि सदन एवं नंदी सदन का विस्तार पूर्वक अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि बबराला महाबली बर्बरीक की पावन धरा पर एक अनकही गाथा है। उन्होंने कहा कि इस गौशाला को एक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करेंगे और जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इस गौशाला पर एक गौ पुस्तकालय का भी निर्माण कराया जाए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा गौशाला परिसर में पीपल के वृक्ष को रोपित किया गया। इस कान्हा गौशाला को एक बहुत ही भव्य रूप में बनाया गया है। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी गुन्नौर को निर्देशित करते हुए कहा कि गौशाला के आसपास की भूमि की पैमाइश कराई जाए अगर कहीं अवैध कब्जा है उसको हटवाना सुनिश्चित किया जाए। इसके उपरांत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने इंदिरा चौक बबराला का भ्रमण किया उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इंदिरा चौक चौराहा पर किसी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होना चाहिए इसको प्रत्येक दशा में सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, नगर पंचायत अध्यक्ष बबराला, नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी बबराला संबंधित थाना अध्यक्ष सहित समस्त संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

'ऑपरेशन किरण' के तहत बछरायूं पुलिस ने सुलझाया पारिवारिक विवाद,पति पत्नी को घर भेजा

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के तहसील मंडी धनौरा के थाना बछरायूं पुलिस ने ऑपरेशन किरण के तहत एक पारिवारिक मसले को सुलझा कर पति पत्नी के बीच आपसी समझौता कराया और उन्हें खुशी-खुशी घर भेज दिया। पुलिस द्वारा की गई इस कार्यवाही से एक परिवार को बिखरने से बचा लिया गया और पति-पत्नी के बीच मसाले को सुलझाया गया।

बता दें कि 'ऑपरेशन किरण' की पहल पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश पर की गई थी इसमें अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया और क्षेत्र अधिकारी धनौरा अंजलि कटारिया का परीयवेक्षण भी शामिल है ।थाना बछरायूं पुलिस को इस पारिवारिक विवाद से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई थी जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में हस्तक्षेप किया और ऑपरेशन किरण के तहत पुलिस टीम ने दोनों पक्षों के बीच गहन परामर्श सत्र आयोजित किया। लंबी बातचीत और समझाइश के बाद दोनों परिवार सुलह समझौते के लिए सहमत हो गए इस काउंसलिंग का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि पति-पत्नी के बीच दूरियां समाप्त हुई और उन्होंने एक बार फिर साथ रहने का निर्णय लिया ।बछरायूं पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सफलतापूर्वक समझौता कराया ,समझौते के बाद दोनों पति-पत्नी को घर भेज दिया गया। इस दौरान महिला उप निरीक्षक संगीता तोमर और कांस्टेबल मानसी मौजूद रहीं ।थाना प्रभारी अमित कुमार तोमर ने कहा कि पुलिस का प्रयास घरों को टूटने से बचाने का ही रहता है और इस पारिवारिक विवाद में भी सुलझ कराने की पुलिस को सफलता प्राप्त हुई है।

बरेली की बेटी ने रचा इतिहास दिव्या सक्सेना ने 100 किलो वजन उठाकर जीता गोल्ड मेडल

बरेली(सब का सपना):- जिले में मंडल स्तर पर आयोजित डेडलिफ्ट प्रतियोगिता में स्थानीय बेटी दिव्या सक्सेना ने कमाल कर दिखाया। डेडलिफ्ट इक्विप्ड मास्टर्स कैटेगरी में उन्होंने 100 किलोग्राम वजन उठाकर न सिर्फ स्वर्ण पदक जीता, बल्कि महिलाओं के लिए एक नया इतिहास रच दिया। इस उपलब्धि से न केवल बरेली पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन गर्व से चमक रही है, बल्कि पूरे परिवार और शहर में खुशी का ठाठ मचा हुआ है। प्रतियोगिता रविवार को फाइनल मुकाबलों के साथ संपन्न हुई, जो देर रात तक चली। बरेली पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव मुकेश कुमार ने बताया,खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के आधार पर सोमवार को परिणामों की औपचारिक घोषणा की गई। दिव्या का यह प्रदर्शन महिलाओं की ताकत का प्रतीक है। महिला मास्टर्स कैटेगरी के फाइनल में दिव्या ने स्ट्रांग वुमन खिताब अपने नाम किया, जिसके लिए उन्हें गोल्ड मेडल, ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। दिव्या सक्सेना, जो बचपन से ही फिटनेस और खेलों में रुचि रखती हैं, ने अपनी मेहनत का फल आज हासिल किया। प्रतियोगिता के बाद बातचीत में उन्होंने कहा, "मेरी रुचि फिटनेस में हमेशा से रही है। यह जीत मेरे परिवार और कोच की मेहनत का नतीजा है। महिलाओं को भी ताकतवर बनने का मौका मिलना चाहिए। दिव्या की इस सफलता पर परिवार में धूमधाम से जश्न मनाया जा रहा है। पिता ने गर्व से कहा, बेटी ने सिर ऊंचा कर दिया। यह सिर्फ एक मेडल नहीं, बल्कि लाखों लड़कियों के लिए प्रेरणा है। यह प्रतियोगिता बरेली में पावरलिफ्टिंग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का माध्यम बनी।

ग्रामीण पत्रकारों के मसीहा बाबू बालेश्वर लाल की जयंती आज मनाई जाएगी

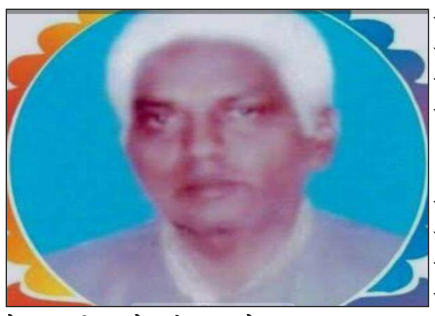

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- ग्रामीण पत्रकारिता के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाले संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल की जयंती आज चंदौसी में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। यह कार्यक्रम मोगा फैमिली रेस्टोरेंट, गौशाला रोड, चंदौसी में दोपहर 1:00 बजे से प्रारंभ होगा। संगठन के जिला अध्यक्ष मनीष शर्मा ने इसकी जानकारी देते हुए संभल जनपद के सभी पत्रकार बंधुओं से समय पर पहुंचकर सहभागिता निभाने का आग्रह किया है। मनीष शर्मा ने बताया कि बाबू बालेश्वर लाल ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक थे, जिन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में पत्रकारिता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उन्हें ग्रामीण पत्रकारों का 'मसीहा' और 'मार्गदर्शक' माना जाता है। उन्होंने ग्रामीण पत्रकारों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण के लिए अथक संघर्ष किया तथा एसोसिएशन की स्थापना कर एक मजबूत मंच प्रदान किया। इस जयंती का आयोजन उनके अमूल्य योगदान को स्मरण करने और उनकी प्रेरणा से प्रेरित होकर ग्रामीण पत्रकारिता को मजबूत बनाने का अवसर होगा।

शर्मा ने कहा, "बाबू जी का संघर्ष आज भी हमें दिशा प्रदान करता है। सभी पत्रकार साथी इस कार्यक्रम में पधारकर उनकी स्मृति को जीवंत करें।

नीट की तैयारी कर रही छात्रा की दिमाग में गांठें बनने से मौत

मंडी धनौरा (अमरोहा)। नीट की तैयारी कर रही चुचैला कलां गांव की रहने वाली 19 वर्षीय छात्रा इलमा कुरैशी की दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज के दौरान सोमवार की दोपहर बाद मौत हो गई। उसके दिमाग में गांठे बन गई थीं। परिजनों के मुताबिक इलमा का इलाज करने वाले डॉक्टर फास्ट फूड में प्रयोग की जाने वाली पत्ता गोभी के जरिए के दिमाग में पहुंचे कीड़े ने गांठे बनाई थीं। छात्रा इलमा कुरैशी गांव चुचैला कलां गांव में रहने वाले नदीम कुरैशी की बेटी थी। नदीम कुरैशी नोएडा में कबाड़ का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी इलमा को करीब एक महीने पहले सिर दर्द की शिकायत हुई थी। इलाज कराने से उसको आराम मिल गया था। कुछ दिन बाद इलमा को फिर से सिर दर्द की शिकायत हुई तो वह इलमा को नोएडा ले आए और उसका निजी अस्पताल में उपचार कराया गया। यहां चिकित्सक ने इलमा का एमआरआई और सीटी स्कैन कराने की सलाह दी। जांच रिपोर्ट में इलमा के दिमाग में गांठ बताई गईं। कुछ दिन इलाज के बाद इलमा को आराम मिल गया। लेकिन, बीती 18 दिसंबर को परिवार में हुई एक शादी में शामिल होने के लिए गांव भी आई थी। तबीयत खराब होने पर अगले दिन ही परिजन उसे दिल्ली ले गए। उसे यहां भी निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज महंगा होने के कारण पिता ने इलमा को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती करा दिया। वहां भी इलमा की हालत बिगड़ती चली गई। पिता के मुताबिक जांच के दौरान इलमा के दिमाग में गांठों की संख्या बढ़कर 20 से अधिक हो गई। सोमवार की दोपहर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बाद में रोते बिलखते परिजन इलमा का शव लेकर गांव ले आए। पिता नदीम ने बताया कि इलमा का इलाज करने वाले चिकित्सक का कहना था कि पत्ता गोभी में मौजूद कीड़ा दिमाग में प्रवेश कर गया। कीड़े की वजह से ही इलमा के दिमाग में गांठे बन गई थीं। फास्ट फूड में अक्सर पत्ता गोभी का प्रयोग किया जाता है। पिता ने बताया कि इलमा भी बर्गर व नूडल्स आदि का सेवन करती थी।

महिला शक्ति संगठन ने धूमधाम से मनाया नववर्ष स्वागत समारोह

संभल(सब का सपना):- समाज सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने वाले महिला शक्ति संगठन की महिलाओं ने वर्ष 2025 को विदाई देकर 2026 का उत्साहपूर्ण स्वागत किया। संगठन की सदस्याओं ने एकत्रित होकर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें नृत्य, खेल और पारंपरिक उत्सव का भरपूर आनंद लिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में नीलिमा वार्ष्णेय ने सभी सदस्याओं का तिलक लगाकर हार्दिक स्वागत किया तथा उपहार वितरित किए। विशेष रूप से संगठन की अध्यक्ष दीपा वार्ष्णेय को एक स्पेशल उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष दीपा वार्ष्णेय ने सभी सदस्याओं को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन समाज सेवा के क्षेत्र में और अधिक सक्रिय रहेगा। उन्होंने घोषणा की कि 23 जनवरी को संगठन की वर्षगांठ बहुत धूमधाम से मनाई जाएगी। साथ ही, हर वर्ष की तरह इस बार भी 15 जनवरी को मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में जरूरतमंदों को खिचड़ी तथा गर्म कपड़ों का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम में अध्यक्ष दीपा वार्ष्णेय के अलावा खुशबू, नीलिमा, कविता, साधना, अंजना, कुसुम लता, प्रीति प्रतीक, कल्पना, संतोष, निशि, मधु, रिचा, पुष्पा देवी, दीप्ति, शशि, रिचा (दूसरी), नीलम, ममता, उषा, बृजबाला, विनीता, लक्ष्मी, मंजू सहित अन्य कई महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। सभी ने मिलकर नृत्य किया और विभिन्न खेलों का आनंद लिया, जिससे वातावरण में उत्साह और एकता का संचार हुआ। महिला शक्ति संगठन की यह पहल न केवल सदस्याओं के बीच भाईचारे को मजबूत करती है, बल्कि समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

हिंदुओं पर हमले के विरोध में भाजपा कार्यकताओं ने फूंका बांग्लादेश का पुतला

अमरोहा। मंगलवार को भाजपा युवा कार्यकताओं ने अतरासी रोड पर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन कर बांग्लादेश का पुतला फूंका। युवा भाजपा नेता आकाश चौधरी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्यधिक हिंसा, अत्याचार और शोषण हो रहा है। उनके घर जलाए जा रहे हैं। उनकी दुकानों को तोड़ा जा रहा है। बांग्लादेश में हिंदू भय के माहौल में हैं। हिंदुओं पर बर्बरता की जा रही है। बांग्लादेश में पहले भी अनेकों बार हिंदुओं पर अत्याचार हुए हैं। हिंदुओं पर हमले से पूरा देश चिंतित है। बांग्लादेश में चारों ओर अराजकता फैली हुई है। हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार, बर्बरता और शोषण को तुरंत रोका जाए। हमारी पीएम मोदी से मांग है कि बांग्लादेश में हिंदू परिवारों की जान माल एवं उनके घर, दुकानों की सुरक्षा की जाए। इस दौरान मनदीप नौरंगी, अरुण देहरा, गौरव प्रजापति, मनोज कुमार चौधरी, सौरभ चौधरी आदि मौजूद रहे।

फैजाबाद व रानीखेत एक्सप्रेस का अमरोहा स्टेशन पर हो ठहराव

अमरोहा। दैनिक रेल यात्री समिति पदाधिकारियों ने डीआरएम को ज्ञापन देकर फैजाबाद और रानीखेत एक्सप्रेस का अमरोहा स्टेशन पर ठहराव समेत अन्य मांगों को पूरा करने की आवाज बुलंद की। समिति अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि कोरोना काल से बंद पुशपुल सवारी गाड़ी (दिल्ली से मुरादाबादझ्मुरादाबाद से दिल्ली) का संचालन पुनः करवाया जाए। अमृत भारत स्टेशन के अंतर्गत अमरोहा स्टेशन पर निर्माण कार्य में हो रही देरी को संज्ञान में लिया जाए और जल्द निर्माण कार्य में तेजी लाकर पूरा कराया जाए। अमरोहा में चल रहे निर्माण कार्य के साथ साथ प्लेटफार्म दो व तीन की तरफ एक प्लेटफार्म तक आने जाने के लिए गेट, अतिरिक्त टिकट खिड़की, शौचालय आदि बनवाया जाए। इससे संभल, जोया से आने वाले यात्रियों को सुविधा मिल सकेगी। अमरोहा में निर्माण कार्य में दोनों, तीनों प्लेटफार्मों पर कोच लोकेटर लगवाए जाएं। प्लेटफार्म एक से दो पर आने-जाने के लिए एकमात्र एक फुट ओवर ब्रिज बनाया जा रहा। प्लेटफार्मों की लंबाई अधिक होने की वजह के एक पुल कम है, इसलिए इसके बीच दो पुल बनवाएं जाए। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए लालकुआं बांद्रा ट्रेन को प्रतिदिन या सप्ताह में तीन दिन चलवाया जाए। लालकुआं आनंद विहार इंटरसिटी को सप्ताह में दो दिन की जगह प्रतिदिन चलवाया जाए। हरिद्वार, देहरादून के लिए सीधी ट्रेन दी जाए।

बीआरएसएस कार्यकर्ताओ ने विद्युत अधिशासी अभियंता नवीन गौतम को सौंपा ज्ञापन

एकमुश्त समाधान योजना का आधे से ज्यादा उपभोक्ताओं को नहीं मिल पा रहा लाभ:- कामेन्द्र चौधरी

संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बी आर एस एस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा जिला सलाहकार सरदार गुरुवचन सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओ ने विद्युत अधिशासी अभियंता नवीन गौतम को ज्ञापन सोपा ! जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि एकमुश्त समाधान योजना अव्यवहारिक है ! आधे से ज्यादा उपभोक्ता योजना के लाभ से वंचित है ! योजना को बेहतर बनाया जाए जिससे कि आम जनमानस को लाभ मिल सके ! साथ ही नियमित विद्युत आपूर्ति की मांग उठाते हुए सिंहपुर सानी, लखौरी जलालपुर एवं सैंडा उर्फ सेहरा बिजलीघर में सुबह के समय बाधित विद्युत आपूर्ति का मुद्दा उठाया ! जिससे आम दिनचर्या अस्त - व्यस्त है ! कड़ाके की ठंड को देखते हुए सुबह 9 से 10 बजे का समय हमारे दैनिक कामकाज और खेती-बाड़ी के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इसी समय पानी चलाने, पशुओं के चारे और घरेलू कार्यों के लिए बिजली की सख्त जरूरत होती है। सर्दी के मौसम को देखते हुए विद्युत आपूर्ति शेड्यूल बदलकर सुबह के 10 बजे तक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनजीवन में बाधा न आए। मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, जिला सलाहकार सरदार गुरुवचन सिंह, जिला संगठन मंत्री चौ. ऋषिपाल सिंह, जिला महासचिव अनमोल कुमार, जिला महामंत्री (अ. मो.) इस्माइल खां, युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार उर्फ मोनू, तहसील अध्यक्ष (अ. मो.) मेहंदी हसन, वरिष्ठ कार्यकर्ता मो. हसन, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष सुफियान पाशा, ब्लॉक महासचिव पवांसा श्रीपाल यादव, यूनुस अली, समरपाल सिंह, छोटू चौधरी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे !

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक संपन्न 8 मामलों का निस्तारण, 4 परिवारों को फिर से मिलाया

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस द्वारा संचालित परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र के तहत चंदौसी में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में यह बैठक गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी पर संपन्न हुई। बैठक की देखरेख चंदौसी परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह ने की। इस दौरान काउंसलरों द्वारा पति-पत्नी के बीच उत्पन्न आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। कुल 17 पत्रावलियों पर सुनवाई हुई, जिसमें से 8 पत्रावलियों का सफलतापूर्वक निस्तारण कर दिया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि 4 परिवारों को फिर से एकजुट किया गया, जिससे कई घरों में खुशियां लौटीं। इसके अलावा, 4 अन्य पत्रावलियों को बंद करने की संस्तुति की गई, क्योंकि इनमें आवेदक द्वारा जोर नहीं दिया गया या संबंधित मामले न्यायालय में पहले से पंजीकृत थे। बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, पीसी सुधारानी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के नेतृत्व में संभल जनपद में ऐसे परामर्श केंद्र परिवारिक विवादों को अदालत के बाहर सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जिससे न केवल समय और संसाधनों की बचत हो रही है, बल्कि परिवारों में सद्भाव भी बढ़ रहा है।

कोर्ट कर्मी के घर चोरी का जल्द खुलासा करे पुलिस

अमरोहा। दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने डीएम-एमपी से अर्दली रामचंद्र पांडेय के आवास में हुई चोरी के खुलासे की मांग की। एसपी ने जांच उपरांत जल्द ही खुलासे का आश्वासन दिया। मंगलवार को संघ के जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारी एकत्र होकर डीएम निधि गुप्ता वत्स व एसपी अमित कुमार आनंद से मिले। कहा कि तीन दिन पहले सहकर्मी रामचंद्र पांडेय की अनुपस्थिति का लाभ उठाकर चोरों ने उनके घर से करीब 35 लाख रुपये का सामान चोरी कर लिया। वह परिवार के साथ बाहर गए हुए थे। घर आने पर उन्हें चोरी की जानकारी हुई। पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है लेकिन आज तक चोरी की कोई सटीक जानकारी नहीं मिल पाई है। चोर खुलेआम घूम रहे हैं। चोरों ने शहर की पॉश कॉलोनी में चोरी की घटना को अंजाम देकर पुलिस को चुनौती दी है। उनकी मांग है कि जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा किया जाए। इस दौरान संतोष दुबे, शक्ति प्रसाद द्विवेदी, अजय सिंह, रामअवध यादव, फूल सिंह, रामचंद्र पांडेय आदि मौजूद रहे।

संभल में दावत-ए-इस्लामी द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संभल (सब का सपना):- दावत-ए-इस्लामी इंडिया के वेलफेयर डिपार्टमेंट गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन (GNRF) द्वारा देशभर में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत संभल जनपद में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अभियान 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक चल रहा है, जिसमें समाज में फैल रही नशे की लत और अन्य बुराइयों के खिलाफ लोगों को जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत नगर के विभिन्न क्षेत्रों में रैलियां निकाली गईं। इसके बाद नूरानी मस्जिद में एक बड़ा सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, युवा और बच्चे शामिल हुए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने लोगों को माता-पिता की नाफरमानी, चोरी, नशा (शराब, गुटखा, तंबाकू आदि) जैसी सामाजिक बुराइयों के गंभीर परिणामों से अवगत कराया। कुरआन और हदीस की रोशनी में माता-पिता की आज्ञा पालन, ईमानदारी, अच्छे अख्लाक और नशा मुक्त जीवन की महत्वता पर विस्तार से चर्चा की गई। युवाओं को बुरी संगत से दूर रहकर शिक्षा और सकारात्मक कार्यों की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी गई। जिला अध्यक्ष अब्दुल मोबीन अत्तारी ने कहा कि समाज को सुधारने के लिए ऐसे जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में हाजी वसीम अत्तारी, हाजी एहसान अत्तारी, शारीक अत्तारी, फैजान अत्तारी सहित कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। इस तरह के आयोजन समाज में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और युवाओं को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

भूसे के ढेर में 'दफन' हुई जांचः 6 महीने बाद भी सरकारी दवाओं की तस्करी का राज बरकरार

बहजोई। कैलादेवी थाना क्षेत्र के एक गांव में भूसे में छुपा कर रखी गईं सरकारी दवाइयां के पकड़े जाने के प्रकरण को तकरीबन छह महीने पूरे होने को हैं लेकिन अभी तक न तो औषधि विभाग और न ही स्वास्थ्य विभाग इस संबंध में कोई कार्रवाई कर सका है और न ही आरोपित के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है जबकि जिसके यहां यह दवाइयां मिली थी, उसका बेटा स्वास्थ्य विभाग में ही काम करता है। फिलहाल सिस्टम की चुप्पी से जांच पर संदेह होता है। दरअसल, सात जुलाई को गांव बसला में रमाबहदुर के घेर में भूसे के ढेर में मिलीं लगभग 40 हजार रुपये मूल्य की सरकारी दवाइयों का मामला सामने आया था जोकि अब तक रहस्य बना हुआ है। इस घटना को करीब छह महीने पूरे होने को हैं, लेकिन न तो किसी स्तर पर ठोस जांच सामने आई है और न ही किसी के विरुद्ध अब तक रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इससे साफ तौर पर यह संकेत मिल रहा है कि पूरे प्रकरण को उजागर करने के बजाय दबाने का प्रयास किया जा रहा है, औषधि विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है, क्योंकि इस पूरे मामले में कागजों का खेल खेला जा रहा है और जहां से दवाइयां बरामद हुई थीं, उस व्यक्ति या स्थल के विरुद्ध अब तक कोई वैधानिक कार्रवाई नहीं की गई है। वहीं स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी अब तक कोई स्पष्ट जवाब या स्थिति रिपोर्ट सामने नहीं आई है। औषधि निरीक्षक जयेंद्र कुमार का दावा है कि उनकी ओर से घटना के तत्काल बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी को लिखित पत्र भेजा गया था, लेकिन इतने लंबे समय बाद भी उस पत्र का कोई जवाब नहीं मिला है, जिससे यह सवाल और गहरा गया है कि आखिर जांच को जानबूझकर लंबित क्यों रखा गया है। बरामद दवाइयों में पेरासिटामोल और बी काम्प्लेक्स जैसी सरकारी आपूर्ति की दवाइयां शामिल थीं, जो आमतौर पर सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से वितरित की जाती हैं। ऐसे में इन दवाइयों का भूसे के ढेर में मिलना सीधे तौर पर सरकारी दवा आपूर्ति तंत्र में सेंध और संभावित तस्करी की ओर इशारा करता है। यदि समय रहते जांच को गंभीरता से आगे बढ़ाया जाता तो अब तक यह स्पष्ट हो सकता था

बिहार से चली आंधी देशभर में बदलेगी सियासी तस्वीर: मिथिलेश तिवारी

संबादाता

कसया, कुशीनगर। बिहार भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री एवं बैकुंठपुर (गोपालगंज) के विधायक मिथिलेश तिवारी का भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया।

बुधवार को भाजपा नेता दयाशंकर पांडेय के कसया स्थित आवास पर आयोजित स्वागत समारोह में श्री तिवारी को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री पांडेय के साथ उनके पुत्र व पूर्व प्रमुख अशोक कुमार पाण्डेय भी उपस्थित रहे। इसके पहले एयरपोर्ट सलाहकार समिति सदस्य ओमप्रकाश जायसवाल के आवास पर विधायक मिथिलेश तिवारी का माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया गया। दोनों स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में विधायक मिथिलेश तिवारी ने बिहार विधानसभा चुनाव में समय निकालकर प्रचार-प्रसार करने और पूरी निष्ठा से मेहनत करने वाले सभी कार्यकताओं, पदाधिकारियों और विधायक गणों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यकताओं को दुशाला पट्टिका ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए कहा कि कार्यकताओं की जीतोड़ मेहनत का ही परिणाम है कि बिहार में भाजपा ने एक बार फिर सत्ता में वापसी की है। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती क्रांतिकारी रही है और देश में हर बड़े परिवर्तन की शुरूआत यहीं से हुई है। आज जो राजनीतिक आंधी बिहार से चली है। वह देश के अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों में भी भाजपा को सत्ता तक पहुंचाएगी ऐसा विश्वास उन्होंने व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, रामकोला विधायक विनय गौड़, पडरौना विधायक मनीष जायसवाल, हाटा विधायक मोहन वर्मा, खड्डा विधायक विवेकानन्द पांडेय, जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी, सीमा गुप्ता, रुपम सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष डॉ. कन्हैया शर्मा, अमित पांडेय, आद्या पांडेय, अनिल प्रताप राव, विनयकांत मिश्र, संजय शुक्ला, अनिल शुक्ला, पुष्कर दूबे, रजनीश तिवारी, केन यूनियन चेयरमैन कविंद्र पांडेय, सिबलू, विपुल दूबे, दीपक चौबे , अमरजीत कुशवाहा, दिनेश जायसवाल, अशोक जायसवाल, अनिल पांडेय, पवन जायसवाल, अवधेश कुशवाहा, मुकेश पाण्डेय, ब्रजेश पांडेय, सुबोध त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व समर्थक उपस्थित रहे।

राज्य के लोगों की हेल्थ के साथ कोई छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी: हेल्थ मिनिस्टर आरती सिंह

चंडीगढ़: हरियाणा की हेल्थ मिनिस्टर आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य के लोगों की हेल्थ के साथ कोई छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हाई रिस्क सॉल्वैंट्स और एक्सिपिएंट्स के मामले में, इंडस्ट्रियल-ग्रेड्स को अपने प्रोडक्ट्स की सेल और ट्रांसपोर्ट में नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। अगर कोई मैन्युफैक्चरर उल्लंघन करता है, तो उसका लाइसेंस कैंसिल किया जा सकता है और उसके खिलाफ लीगल एक्शन भी लिया जा सकता है। फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन हरियाणा के स्टेट ड्रग्स कंट्रोलर ललित कुमार गोयल ने कहा कि हेल्थ मिनिस्टर आरती सिंह राव की गाइडलाइंस के अनुसार पब्लिक हेल्थ को ध्यान में रखते हुए यह एडवाइजरी जारी की गई है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्रियल-ग्रेड हाई रिस्क सॉल्वैंट्स और एक्सिपिएंट्स के गलत इस्तेमाल को रोकने और पब्लिक हेल्थ की सेफ्टी सुनिश्चित करने के मकसद से एक जरूरी एडवाइजरी जारी की गई है। यह एडवाइजरी हरियाणा स्टेट फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के जरिए राज्य के सभी फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरर्स, ट्रेडर्स, इंपोर्टर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स को बता दी गई है। उन्होंने कहा कि यह निर्देश डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज, एनफोर्समेंट डिवीजन, भारत सरकार की 22 दिसंबर 2025 को जारी एडवाइजरी के अनुसार जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि बिना सेफ्टी के इंडस्ट्रियल-ग्रेड हाई रिस्क सॉल्वैंट्स की बिक्री पब्लिक हेल्थ के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है और इससे दवा सप्लाई की क्वालिटी और सेफ्टी पर असर पड़ता है। एडवाइजरी के अनुसार, सभी हाई रिस्क इंडस्ट्रियल सॉल्वैंट्स के कंटेनर पर उनके इस्तेमाल के लिए साफ और पढ़ने लायक मार्क लगाना जरूरी होगा। यह चेतावनी सेल्स बिल, डिलीवरी चालान और लेन-देन से जुड़े दूसरे सभी डॉक्यूमेंट्स पर भी खास तौर पर दिखाई जाएगी। उन्होंने साफ किया कि हाई रिस्क सॉल्वैंट्स और एक्सिपिएंट्स की खुली बिक्री पूरी तरह से मना रहेगी। ये प्रोडक्ट्स भी सिर्फ. ओरिजिनल, सील्ड और टैम्पर-प्रूफ कंटेनर में ही बेचे जाएंगे, जिन पर पूरी लेबलिंग और बैच-ट्रेसेबिलिटी से जुड़ी जानकारी होनी चाहिए। गोयल ने कहा कि इन निर्देशों का पालन न करने पर संबंधित यूनिट्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें लाइसेंस कैंसिल करना या कानूनी कार्रवाई शामिल हो सकती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार लोगों की सेहत की सुरक्षा को सबसे ज्यादा प्राथमिकता देती है और फार्मा सेक्टर में क्वालिटी, ट्रांसपेरेंसी और सेफ्टी पक्का करने के लिए लगातार ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं। ये निर्देश सिर्फ. लोगों की सेहत और सेफ्टी के हित में जारी किए गए हैं।

फर्जी वीडियो से सावधान : राजनेताओं के नाम पर फैलाया जा रहा डिजिटल धोखाधड़ी का जाल

जींद : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इन दिनों एक भ्रामक व फर्जी वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें भारत सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के नाम और चेहरे का दुरुपयोग करते हुए निवेश के नाम पर मोटे मुनाफे का झांसा दिया जा रहा है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक जीन्द श्री कुलदीप सिंह भा.पु.से. ने आमजन को सतर्क करते हुए कहा कि इस प्रकार की वीडियो पूरी तरह से डिजिटल रूप से एडिट/मैनिपुलेट किया हुआ है तथा इसका वास्तविकता से कोई भी संबंध नहीं है। वित्त मंत्री द्वारा इस प्रकार की किसी भी योजना, ऐप या निवेश प्लेटफॉर्म को न तो प्रचारित किया गया है और न ही समर्थन दिया गया है। ऐसे फर्जी वीडियो व लिंक का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को लालच देकर साइबर ठगी का शिकार बनाना है। पुलिस ने इस तरह के मामलों को गंभीरता से लेते हुए साइबर विशेषज्ञों की मदद से निगरानी बढ़ा दी है। जीन्द पुलिस आमजन से अपील करती है कि सोशल मीडिया पर दिखाए जा रहे गारंटीड मुनाफे वाले वीडियो, लिंक या मैसेज पर विश्वास न करें। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और न ही अपनी बैंक/ओटीपी/पर्सनल जानकारी साझा करें।

इस प्रकार का कोई भी संदिग्ध वीडियो या मैसेज मिलने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करवाएं या नजदीकी पुलिस थाना/साइबर सेल से संपर्क करें। जीन्द पुलिस आमजन की सुरक्षा के लिए पूर्णतः सतर्क है और इस प्रकार की साइबर ठगी करने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जनता की जागरूकता ही साइबर अपराध के विरुद्ध सबसे बड़ा हथियार है।

रिश्वत मामले में नगर निगम का क्लर्क गिरफ्तार, 6 माह से चल रहा था फरार

सोनीपत : सोनीपत नगर निगम में प्रॉपर्टी आईडी सुधार के नाम पर रिश्वत वसूली का मामला सामने आने के 6 महीने बाद फरार चल रहे क्लर्क हरिओम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर 15 हजार रुपए की रिश्वत लेने का आरोप है, जिसका वीडियो भी सामने आया था। नगर निगम कमिश्नर ने प्रारंभिक जांच में दोषी पाए जाने पर उसे सस्पेंड कर दिया था। अब पुलिस आरोपी को कोर्ट में पेश करके रिमांड पर लेकर पूरे नेटवर्क की जांच करेगी। मोहान नगर निवासी विनोद और रोहित के मुताबिक उनकी 211 गज की जमीन की प्रॉपर्टी आईडी में गड़बड़ी हो गई थी। उनकी यह जमीन पड़ोसी की जमीन में दर्शाई जा रही थी। इस समस्या को ठीक कराने के लिए वह करीब 2 महीनों तक नगर निगम के चक्कर लगाते रहे। कई बार कागजों में कमी का बहाना बनाकर उन्हें टाला गया। आखिरकार एक चपरासी के कहने पर वे क्लर्क हरिओम के पास पहुंचे। आरोप है कि 7 मई को हरिओम ने उन्हें डिप्टी मेयर के दफ्तर में बुलाकर 15 हजार रुपए मांगे और वहीं रकम लेकर जेब में रख ली। शिकायतकर्ता ने पूरी घटना का चोरी-छुपे वीडियो बना लिया, जिसे बाद में निगम कमिश्नर को भेजा गया। खास बात यह है कि जिस काम के लिए 2 महीने से परेशान किया जा रहा था, वह रिश्वत मिलते ही एक दिन में पूरा हो गया। बता दें कि प्रॉपर्टी आईडी में सुधार पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया है, जिसके लिए निगम की ओर से हेल्प डेस्क भी बनाई गई है। नियमों के अनुसार किसी भी आपत्ति का निपटारा 2 से 15 दिनों में किया जाता है और ये सेवाएं मुफ्त हैं। इसके बावजूद लोगों को अनावश्यक अड़चनें डालकर भ्रष्टाचार के लिए मजबूर किया जा रहा है।

टीबी उन्मूलन प्रोग्राम में हुए घोटाले पर पर्दा डालने की तैयारी, इंचार्ज ने लिखा कर्मचारियों को पत्र

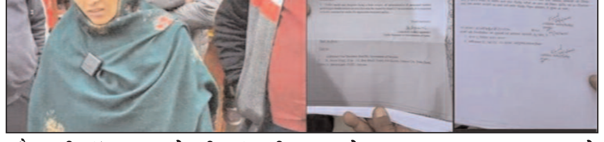

बहादुरगढ़ : केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में बड़े घोटाले को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। झज्जर जिले में इस घोटाले पर पर्दा डालने की कोशिश की जा रही है। आरोप है कि डाटा अपडेट करने के नाम पर फर्जी रिकॉर्ड दुरुस्त करने की तैयारी की जा रही है। झज्जर जिले के टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के इंचार्ज उप सिविल सर्जन द्वारा 29 दिसम्बर को कर्मचारियों को डाटा अपडेट करने के लिए पत्र लिखा गया है। इसी को लेकर शिकायतकर्ता अनूप अहलावत ने स्वास्थ्य विभाग पर घोटाले को छुपाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं बहादुरगढ़ के आदर्श नगर स्थित अर्बन पीएचसी में जांच समिति के सामने बयान देने आए लोगों का कहना है कि जिन लोगों ने बीसीजी का टीका नही लगने के एफिडेविट दिए, उन्हें अब फोन करके धमकाया जा रहा है। आरोप है कि लोगों को पुलिस कार्रवाई और भविष्य में स्वास्थ्य सेवाएं बंद करने का डर दिखाया जा रहा है। सबसे गंभीर आरोप यह है कि स्वास्थ्य विभाग की जांच टीम उन्हीं लोगों को फर्जी बता रही है, जिन्होंने घोटाले को उजागर करने के लिए एफिडेविट दिए थे। अनूप अहलावत ने जांच कर रही डॉक्टरों की टीम पर भी सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि जिले भर के डॉक्टर इस घोटाले में शामिल हैं और वही डॉक्टर मामले की जांच भी कर रहे हैं, जिससे निष्पक्ष जांच संभव नहीं है।

आरोप है कि बिना बीसीजी का टीका लगाए फर्जी तरीके से वैक्सीनेशन का रिकॉर्ड चढ़ाया गया। जानकारी के अनुसार, बहादुरगढ़ में करीब 20 हजार लोगों को बीसीजी वैक्सीन लगाई जानी थी, जबकि जिले भर में करीब 50 करोड़ रुपये की वैक्सीन के रिकॉर्ड में गड़बड़ी के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह मामला तब सामने आया जब अनूप अहलावत ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव को शिकायत दी, जिसके बाद जांच शुरू हुई।

अब अनूप अहलावत ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में जनहित याचिका (PIL) दायर करने की बात कही है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इस मामले में अभी भी मौन हैं।

यमुनानगर में स्पेयर पार्ट्स के गोदाम में लगी भीषण आग, सारा सामान जलकर राख, 60 लाख का नुकसान

यमुनानगर : यमुनानगर में बुधवार को स्पेयर पार्ट्स गोदाम में अचानक आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि कुछ देर में गोदाम में पड़ा पूरा सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। गोदाम के मालिक आशीष ने बताया कि वह लंबे समय से पुराने स्पेयर पार्ट्स का काम करते हैं। जगाधरी में उनका एक गोदाम है। आशीष ने बताया कि बुधवार को गोदाम में अचानक आग लग गई। चौकीदार ने देखा तो उसने फोन पर हमें सूचना दी। हम तुरंत मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंची आशीष ने बताया कि मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड को सूचना दी। आग इतनी भयंकर थी कि कुछ ही देर में आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद कई घंटों में आग पर काबू पाया।

आग से करीब 60 लाख रुपए का नुकसान

आशीष ने बताया कि इस गोदाम में गाड़ियों के पुराने स्पेयर पार्ट्स पड़े हुए थे।

आग ने सबकुछ जलाकर राख कर दिया। आशीष ने बताया कि इस आग से उन्हें करीब 60 लाख रुपए का नुकसान हो गया। शुरूआती जांच में शॉर्ट सर्किट ही आग का कारण बताया जा रहा है।

सोनीपत में हादसे में असिस्टेंट प्रोफेसर की मौत, अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

सोनीपत : सोनीपत से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-44 पर स्थित बहालगढ़ के पास अज्ञात वाहन चपेट में आने से निफ्टम में तैनात असिस्टेंट प्रोफेसर की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल रखवा दिया गया हैं। मिली जानकारी के अनुसार सोनीपत के कुंडली में स्थित निफ्टम से दिशा गुलिया ने अपनी पीएचसी की डिग्री पूरी कर पिछले एक साल से असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर तैनात थी। दिशा गुलिया कल देर रात अपने घर से वापिस जा रही थी लेकिन उसी दौरान बहालगढ़ के पास वो अज्ञात वाहन की चपेट में आ गई और उनकी मौके पर मौत हो गई। दिशा गुलिया के पिता ने बताया कि वह निफ़्टम कुंडली में ही पढ़ाई करती थी और वहीं से ही उसने अपनी पीएचडी की डिग्री पूरी की थी। डिग्री पूरी करने के बाद वहीं पर अब असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर काम करती थी और वहीं पर रहती थी। कल देर रात सड़क हादसे में उसकी जान गई है बाकी पुलिस इन्वेस्टिगेशन कर रही है प्राथमिक दृष्टि से हादसा ही लग रहा है।

हरियाणा के इन 2000 अधिकारियों को दी गई सख्त चेतावनी

चंडीगढ़: हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी प्रशासनिक सचिवों को निर्देश दिए हैं कि सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 20(1) के तहत राज्य जन सूचना अधिकारियों (एसपीआइओ) पर लगाए गए दंड की शीघ्र वसूली सुनिश्चित की जाए। करीब दो हजार अधिकारी ऐसे हैं, जिन पर राज्य सूचना आयोग ने जुमार्ना लगाया, लेकिन वह जुमार्ना जमा नहीं करा रहे हैं। समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि यह दंड संबंधित एसपीआइओ से मासिक किस्तों में सीधे वसूल किया जाए। अनुराग रस्तोगी ने कहा कि शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आरटीआइ अधिनियम के प्रविधानों का सख्ती से पालन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने दोहराया कि आरटीआइ आवेदनों का समयबद्ध निपटारा और वैधानिक समय सीमा का पालन सभी विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है, ताकि अधिनियम की भावना को सुदृढ़ किया जा सके और प्रशासन पर जन विश्वास मजबूत हो। हरियाणा में सूचना का अधिकार के तहत अधिकारी-कर्मचारी एक तो सूचना ठीक ढंग से नहीं देते, ऊपर से जुमार्ना भी नहीं जमा करवा रहे हैं। इन अधिकारियों पर करीब 10 साल से जुमार्ना पेंडिंग है। मुख्य सचिव ने राज्य सूचना आयोग को मासिक रिपोर्ट भी देने की बात कही है।

मुख्य सचिव ने विभागों से कहा कि अगर किसी विभाग को वसूली में सहायता की आवश्यकता हो तो वे राज्य सूचना आयोग के रजिस्ट्रार से संपर्क कर सकते हैं।हरियाणा में ऐसे 1953 अधिकारी शामिल हैं। जिन पर चार हजार से लेकर 25 हजार रुपए तक का जुमार्ना बकाया है। सबसे ज्यादा पंचायत विभाग के 600 अधिकारियों ने जुमार्ना राशि जमा नहीं कराई।

जबकि स्थानीय शहरी के 500 तो शिक्षा विभाग के 200 अधिकारियों पर जुमार्ना बाकी है। वहीं खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, वन विभाग, एचएसवीपी, अर्बन एस्टेट, राजस्व, सेवा, परिवहन विभाग समेत कई विभागों के कई अधिकारियों ने अभी तक जुमार्ने की राशि जमा नहीं कराई है।

पिता की शिकायत पर अध्यपाक पर केस दर्ज, 5वीं कक्षा के छात्र से की मारपीट और कटवाई घास

कैथलः राजकीयसस्कूल गुलियाना के अध्यापक पर 5वीं कक्षा के छात्र से मारपीट करने और घास कटवाने के आरोप लगे हैं। छात्र के पिता ने घटना के बाद डायल 112 को फोन कर मौके पर बुला लिया था। आरोप लगाया कि अध्यापक पहले भी बेटे के साथ कई बार मारपीट कर चुका है। गांव सौंगरी निवासी कमलजीत की शिकायत पर राजकीय स्कूल गुलियाना के अध्यापक शिवकुमार के विरुद्ध राजौंद थाना में केस दर्ज किया गया है। शिकायत में बताया कि उसका 10 वर्षीय बेटा स्कूल में 5वीं कक्षा का विद्यार्थी है। आरोप है कि 27 दिसम्बर को अध्यापक शिवकुमार ने उसके बेटे को स्कूल में पीटा है। बेटे के कान और होंठ पर चोट भी लगी हुई है। छुट्टी के बाद वह अध्यापक शिवकुमार के पास बेटे का गुनाह पूछने के लिए गया तो उसके साथ भी गाली-गलौज करने लगा। शिवकुमार पहले भी करीब 10 बार उसके बेटे से मारपीट कर चुका है। पहले पंचायती तौर पर और गांव की शर्म से कोई कार्रवाई नहीं करवाई गई थी। इस बार तो अध्यापक ने उसके बेटे को जान से मारने का प्रयास किया है। पुलिस वालों के सामने ही शिवकुमार ने कहा कि वह बच्चों से घास कटवा सकता है। इसके लिए डी.सी. की तरफ से आदेश दिए हुए हैं। शिकायतकर्ता ने कहा कि इस अध्यापक का यहां से तबादला किया जाए और उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

खबर एक्सप्रेस

अजय सिंगल बने हरियाणा के नए डीजीपी, इतने साल का होगा कार्यकाल, 1992 बैच के हैं आईपीएस अधिकारी

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार ने आईपीएस अधिकारी अजय सिंगल को राज्य का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया है। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार उनकी नियुक्ति यूपीएससी द्वारा भेजे गए पैनल पर विचार के बाद की गई है। अजय सिंगल 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और दो वर्ष के निर्धारित कार्यकाल के लिए पदभार संभालेंगे। आदेश में बताया गया कि यह नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुरूप की गई है। साथ ही 1990 बैच के शत्रुजीत सिंह कपूर और 1993 बैच के आलोक मित्तल को भी पैनल में शामिल किया गया था। गृह विभाग ने आदेश की प्रति सभी संबंधित अधिकारियों और विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दी है।

हरियाणा में 8 साल बाद जन्म के समय लिंगानुपात में ऐतिहासिक सुधार, 13 अंकों की छलांग

हरियाणा : हरियाणा ने जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़त हासिल की है। पिछले साल 910 दर्ज किया गया था, जो आठ साल में सबसे कम था। इस बार लिंगानुपात में 13 अंकों की छलांग है। छह साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। इस बार 30 दिसंबर 2025 तक जन्म के समय लिंगानुपात 923 दर्ज किया गया है। 30 दिसंबर 2025 तक जन्म के समय लिंगानुपात 923 दर्ज किया गया है, जो पिछले साल 2024 के मुकाबले 13 अंकों की बढ़त है। साल 2024 में लिंगानुपात 910 दर्ज किया गया था। संकेत इस बात का भी है कि 31 दिसंबर तक लिंगानुपात 923 से पार भी कर जाए। यदि ऐसा होता है तो यह हरियाणा का अब तक का सर्वाधिक लिंगानुपात होगा। साल 2019 में जन्म के समय लिंगानुपात 923 रिकॉर्ड हुआ था। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग इस बारे में जल्द ही विस्तृत रिपोर्ट जारी की जाएगी। 2024 में जन्म के समय लिंगानुपात आठ वर्षों में सबसे कम दर्ज किया गया था। पिछले साल प्रति एक हजार लड़कों के जन्म पर 910 लड़कियों का जन्म हुआ था। हालांकि यह गिरावट 2020 से शुरू हो गई थी। 2020 में 922, 2021 में 914, 2022 में 917, 2023 में 916 और 2024 में 910 रिकॉर्ड किया गया था।

छात्रा से दुष्कर्म मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार, स्कूल से घर लौट रही थी पीड़िता

जींद : जींद जिले में नाबालिग छात्रा के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में थाना सदर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान गांव निडानी निवासी साहिल, रोहित और बिड्डू के रूप में हुई है। परिजनों ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बेटी स्कूल से लौट रही थी। जब वह रास्ते में आ रही तो कार सवार 3 आरोपी उसे जबरन वाहन में बैठाकर अज्ञात स्थान पर ले गए। वहां उसे डराया-धमकाया गया और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया। बाद में आरोपियों ने उसे स्कूल से कुछ दूरी पर बेसुध हालत में छोड़ दिया और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। शाम तक जब छात्रा घर वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाशी के दौरान पीड़ित छात्रा स्कूल के पास ही बदहवास अवस्था में मिली। परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। परिजनों ने मामले की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने परिजनों के बयानो के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि इस गंभीर अपराध में साहिल, रोहित और बिड्डू वासियान निडानी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। उनके खिलाफ BNS, POCSO और SC/ST एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है।

एक्स-रे करवाने आई बच्ची के साथ अश्लील हरकत, रोते हुए बहन को बताई आपबीती, रेडियोग्राफर गिरफ्तार

अंबाला : अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल में 9 साल की बच्ची के साथ एक्स-रे जांच के दौरान छेड़छाड़ का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार बच्ची अपनी बड़ी बहन के साथ छाती का एक्स-रे करवाने अस्पताल पहुंची थी। जांच के बाद जैसे ही बच्ची एक्स-रे रूम से बाहर आई, उसने कांपते हुए अपनी बहन को अंदर हुए शर्मनाक कृत्य के बारे में बताया। पीड़िता की बहन ने तुरंत आरोपी रेडियोग्राफर से सवाल किए और गुस्से में उसकी पिटाई भी कर दी। शोर सुनकर अस्पताल के अन्य मरीज और परिजन भी मौके पर इकट्ठा हो गए, जिसके बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपी रेडियोग्राफर को अस्पताल के भीतर पैदल ले जाकर कान पकड़ने माफी मंगवाई।जांच में सामने आया है कि आरोपी पहले सीआरपीएफ में सेवाएं दे चुका है और नागरिक अस्पताल में भी उस पर इसी तरह के कृत्यों के आरोप पहले दर्ज हो चुके हैं। पुलिस अब आरोपी के पुराने रिकॉर्ड की भी गहन जांच कर रही है। वहीं, बच्ची का मेडिकल करवाकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

हांसी को मिला पहला डीसी, इस आईएएस अधिकारी को मिली जिम्मेदारी, 22 दिसंबर को बना था 23वां नया जिला

चंडीगढ़ : हरियाणा के नए बने 23वें जिले हांसी में प्रशासनिक ढांचा तैयार होता दिखने लगा है। राज्य सरकार ने 2016 बैच के IAS अधिकारी राहुल नरवाल को हांसी का पहला उपायुक्त (DC) नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से जिले में प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुचारु रूप से शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। राहुल नरवाल इससे पहले ग्रामीण विकास विभाग के निदेशक, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में विशेष सचिव और कॉनफेड के प्रबंध निदेशक पद पर जिम्मेदारी निभा रहे थे।गौरतलब है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 16 दिसंबर को हांसी को जिला बनाने की घोषणा की थी, जिसके बाद 22 दिसंबर को आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई। अधिसूचना में हिसार जिले की सीमाओं में संशोधन करते हुए हांसी और नारनौंद उपमंडलों को मिलाकर हांसी जिला गठित करने का आदेश जारी किया गया है।

न्यूजीलैंड ने 2025 में मचाई धमाल, भारत-पाकिस्तान ने भी दिखाई ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 का साल क्रिकेट फैंस के लिए काफी रोमांचक रहा और इस दौरान कई टीमों ने अपने प्रदर्शन से दिल जीते। सभी फॉर्मेट टेस्ट, वनडे और टी20 मिलाकर सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीमों की लिस्ट में न्यूजीलैंड सबसे ऊपर रही। 2025 में कीवी टीम ने कुल 47 मैचों में 33 जीत दर्ज की, जबकि सिर्फ 9 मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा एक मैच ड्रॉ रहा और चार मैचों का नतीजा नहीं निकला। न्यूजीलैंड ने इस साल 4 टेस्ट, 17 वनडे और 12 टी20 में जीत हासिल कर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। भारत और पाकिस्तान ने भी सालभर शानदार प्रदर्शन किया और दोनों टीमों ने बराबर 30-30 मैच जीते। हालांकि पाकिस्तान ने भारत की तुलना में अधिक मैच खेले। पाकिस्तान ने कुल 56 मुकाबलों में 30 जीत हासिल की, वहीं भारत ने 45 में से इतने ही मैच जीते। इस साल भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप में कई बार पाकिस्तान को मात दी, जिससे दोनों के बीच मुकाबले का रोमांच और बढ़ गया।

वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने इस साल तीसरे नंबर पर कब्जा जमाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कुल 38 मैचों में 23 जीत दर्ज की, जबकि 11 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में उन्हें साल की आखिरी हार मिली, लेकिन इसके बावजूद टीम ने पूरे साल स्थिर प्रदर्शन किया। लिस्ट में पांचवें पायदान पर बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका की टीमें रही, जिन्होंने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 21-21 मुकाबले जीते। साउथ अफ्रीका ने 43 मैच खेले, जिनमें 22 में हार झेली, जबकि बांग्लादेश ने 47 में से 23 मैच गंवाए। दोनों टीमों ने सालभर अपने फैंस को रोमांचक क्रिकेट का अनुभव जरूर कराया। इस लिस्ट से साफ है कि 2025 में न्यूजीलैंड ने सबसे अधिक मैच जीतकर अपनी मजबूती दिखाई, वहीं भारत और पाकिस्तान की टीमों ने भी मुकाबले में कड़ी टक्कर दी। ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका ने भी अपने स्तर पर शानदार खेल दिखाया। कुल मिलाकर, 2025 क्रिकेट के लिए एक बेहद रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक साल रहा, जिसमें फैंस को हर फॉर्मेट में क्रिकेट का भरपूर मजा मिला।

पैरालंपिक भाला फेंक में सुंदर ने बनाया है विशेष स्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पिछले कुछ समय में पैरालंपिक खेलों में भी अपनी श्रेष्ठता साबित की है। इसमें भाला फेंक में भारतीय पैरालंपिक खिलाड़ी सुंदर सिंह गुर्जर का प्रदर्शन शानदार रहा है। सुंदर ने लगातार दो पैरालंपिक खेलों की भाला फेंक स्पर्धा में पदक जीते हैं। सुंदर सिंह ने कोच की सलाह पर साल 2012 में जैवलिन थ्रो शुरू किया। शुरुआत में वह सामान्य श्रेणी में खेलते थे पर साल 2015 में एक हादसे में उनका बायां हाथ कट गया। इस घटना के बाद उन्होंने कोच महावीर प्रसाद सैनी ने उनका हौंसला बढ़ाया और पैरा एथलेटिक्स में भाग लेने को कहा।

इसक बाद सुंदर ने पैरा एथलेटिक्स में कदम रखा। इसके बाद वह जैवलिन की एफ46 कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करने लगे। गुर्जर ने साल 2016 में रियो पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई किया था पर वह वहां आयोग्य घोषित हो गये थे। उन्होंने इसी साल लंदन में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले 2019 में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, दुबई में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। 2018 एशियन पैरा गेम्स में रजत और 2023 हांगझोउ एशियन पैरा गेम्स में सुंदर ने 68.60 मीटर थ्रो करके विश्व रिकॉर्ड बनाया।सुंदर ने टोक्यो 2020 पैरालंपिक में 64.01 मीटर थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता और फिर इसके बाद पेरिस में आयोजित 2024 पैरालंपिक में 64.96 मीटर के साथ कांस्य जीता। हाल ही में 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी उन्होंने रजत पदक जीता।

सूर्यकुमार ने तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना की

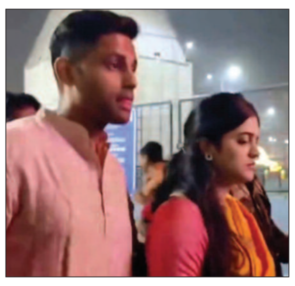

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुमला (ईएमएस)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी पत्नी देविशा शेट्टी के साथ तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना कर भगवान का आर्शिवाद लिया। सूर्यकुमार और उनकी पत्नी ने वैकुंठ एकादशी के शुभ अवसर पर भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की और पवित्र वैकुंठ द्वारम से होकर दर्शन किए। इसे अत्यंत पावन माना जाता है। सूर्या पिछले कुछ समय से अपने नाम के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और माना जा रहा है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले इसी कारण भागवान की शरण में पहुंचे होंगे। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीडीपी) प्रशासन ने सूर्यकुमार और उनकी पत्नी के लिए विशेष दर्शन की व्यवस्था भी की। सुबह के समय दोनों ने शांतिपूर्वक भगवान के दर्शन किए। दर्शन के बाद मंदिर के पुजारियों ने उन्हें रंगनायकुलावरी मंडपम में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आशीर्वाद दिया। इसके पश्चात दोनों को तीर्थ प्रसाद प्रदान किया गया और उन्होंने भगवान को वस्त्र अर्पित किए। मंदिर परिसर में सूर्यकुमार और देविशा को देखकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। दोनों पारंपरिक परिधान में सादगी और श्रद्धा के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हुए। उनकी विनम्रता और आस्था ने एक बार फिर यह दिखाया है कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम के बाद भी भारतीय खिलाड़ी अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जड़ों से जुड़े हुए हैं। उनके मंदिर दर्शन का एक वीडियो भी आया है। इसमें दिख रहा है कि सूर्यकुमार जब मंदिर की तरफ जा रहे थे तो प्रशंसकों ने उन्हें घेर लिया। सूर्यकुमार ने पास आने वाले प्रशंसकों के साथ सेल्फी भी खिंचवाई। कुछ पल के लिए वो रुके भी जिससे तस्वीर लेने वालों को पूरा समय मिल सके और किसी को परेशानी भी ना हो। इससे पहले साल 2023 में भी उन्होंने वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। इसकी तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की थी। इसके अलावा वह बाबा महाकाल और अन्य मंदिरों में भी दर्शनों के लिए पहुंचते रहे हैं। वहीं सूर्या के अलावा बल्लेबाज तिलक वर्मा भी भगवान वेंकटेश्वर के दर्शनों के लिए पहुंचे। उनके साथ बीसीसीआई एपेक्स काउंसिल के सदस्य और पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर वी. चामुंडेश्वरनाथ भी थे। तिलक इससे पहले एशिया कप 2024 से पहले भी तिरुमला आए थे।

14 छक्के और 9 चौके, सरफराज खान ने रोहित शर्मा का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरफराज खान को विजय हजारे ट्रॉफी (VHT) में शानदार प्रदर्शन के साथ अपने व्हाइट-बॉल करियर को फिर से शुरू करने का एक नया मौका मिला है। यह भारतीय बल्लेबाज, जिसने आखिरी बार 1 नवंबर, 2024 को भारत के लिए खेला था, मुंबई के लिए शानदार फॉर्म में है। सरफराज ने गोवा के खिलाफ सिर्फ 75 गेंदों में शानदार 157 रन बनाए जिसमें 14 छक्को और 9 चौके शामिल थे। उन्होंने सिर्फ 56 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और मुंबई के लिए सबसे तेज लिस्ट-A शतक बनाने वाले खिलाड़ी बनकर रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

रोहित ने पिछले हफ्ते ही सिक्किम के खिलाफ 62 गेंदों में शतक बनाकर यह रिकॉर्ड बनाया था और उस मैच में 94 गेंदों में 155 रन बनाए थे। सरफराज ने शानदार तरीके से रिकॉर्ड तोड़ा, जब कई नए खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। सरफराज का फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में उनका औसत 63.15 है, जिसमें उनके नाम 16 शतक और 16 अर्धशतक हैं। उन्हें 2015 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) ने साइन किया था, और सिर्फ 17 साल की उम्र में, वह उस समय IPL में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे।

उनकी निडर और इनोवेटिव बैटिंग ने उन्हें जल्दी ही फैंस का पसंदीदा बना दिया, लेकिन बाद में उनके व्हाइट-बॉल करियर की रफ्तार धीमी हो गई। अब ऐसा लगता है कि वह दौर उनके पीछे छूट गया है। फिटनेस में सुधार के बाद सरफराज ने खुद को सभी फॉर्मेट में एक मजबूत दावेदार के रूप में बदल लिया है। उन्होंने हाल ही में मुंबई के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT) में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने 65.80 की औसत और 203.09 के शानदार स्ट्राइक रेट से 329 रन बनाए। सरफराज को हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) ने IPL नीलामी खरीदा है।

श्रेयस अय्यर की फिलहाल वापसी की उम्मीद नहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर रहेंगे

मुम्बई । ऑस्ट्रेलिया दौरे में चोटिल होने के बाद से ही बाहर चल रहे भारतीय टीम के मध्यक्रम के अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के अभी वापसी करने की कोई उम्मीद नहीं है। अय्यर को ऑस्ट्रेलिया दौरे में आंत में चोट लग गयी थी। उसके बाद से ही वह अभी तक पूरी तरह से नहीं उबरे हैं। इसी कारण उनकी मैदान पर वापसी में देरी हो रही है। बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से भी उन्हें खेलने की मंजूरी नहीं मिली है। वहीं पहले कहा गया था कि श्रेयस 30 दिसंबर को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बाहर आ जाएंगे पर अब उन्हें कम से कम एक सप्ताह और वहीं रहना होगा। इसका कारण है कि श्रेयस का वजन करीब 6 किलो वजन घट गया था। उनकी मांसपेशियों में भी कमजोरी आई है। इससे उनकी ताकत अभी भी सही स्तर पर नहीं पहुंची है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'उनकी बल्लेबाजी में कोई परेशानी नहीं है पर ऑस्ट्रेलिया में लगी चोट के बाद से ही उनका वजन करीब छह किलो वजन घट गया है। इसलिए मेडिकल टीम अभी तक उन्हें फिट नहीं मानती है।' पहले कहा जा रहा था कि श्रेयस के 3 और 6 जनवरी को विजय हजारे ट्रॉफी के मैच खेलने की उम्मीद है और फिर 11 जनवरी से वडोदरा में शुरू होने वाली न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में उनकी वापसी की बात कही गयी पर अब , योजना बदल गई है उम्मीद है कि उन्हें 9 जनवरी तक ही खेलने की मंजूरी मिलेगी।

हरमनप्रीत के अर्धशतक से भारतीय टीम ने श्रीलंका को पांचवें टी20 में हराकर 5-0 से सीरीज जीती

तिरुवनंतपुरम। कप्तान हरमनप्रीत कौर के शानदार अर्धशतक और अमनजीत कौर के साथ खेली उनकी अर्धशतकीय पारी की सहायता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रीलंकाई टीम को 15 रनों से हराकर सीरीज में 5-0 से जीत दर्ज की है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 7 विकेट पर 175 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम 160 रन ही बना पायी। श्रीलंका की ओर से सलामी बल्लेबाज हसिनी परेरा और इमेशा दुलानी ने अर्धशतक लगाया पर इन दोनो के आउट होने के बाद अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पायीं। वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा 5 और पहला मैच खेल रही जी कमलिनी 12 रन ही बना पायी। एक समय आधी भारतीय टीम 77 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। इसके बाद हरमनप्रीत कौर ने ने अमनजोत कौर 21 के साथ छठे विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी कर भारतीय टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। हरलीन देओल ने 13, ऋचा घोष ने 5 और दीप्ति शर्मा ने 7 रन बनाये। वहीं हरमनप्रीत ने 43 गेंदों में 9 चौके और एक छक्का लगाकर 68 रन बनाये। वहीं अमनजोत ने 21 रन बनायी। अंतिम दो ओवरों में अरुंधति रेड्डी ने तेजी से रन बनाकर भारतीय टीम को 170 के पार पहुंचाया। वहीं अरुंधति ने 4 चौके और एक छक्के के साथ 11 गेंदों में नाबाद 27 रन बनाए। स्नेह राणा 8 रन पर नाबाद रहीं। वहीं श्रीलंका की आरे से कविशा दिल्हारी, रश्मिका सेववंदी और चमारी अटापट्टू ने दो-दो विकेट लिए जबकि निमाशा मदुशानी ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए हुए श्रीलंकाई बल्लेबाज हसिनी परेरा और इमेशा दुलानी ने तेजी से रन बनाये। इसके आउट होते ही श्रीलंकाई पारी लड़खड़ा गयीं। श्रीलंका की ओर से इमेशा और हसिनी ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। इमेशा ने 50 जबकि हसिनी ने 65 रन बनाए।

प्रीमियर लीग फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को ड्रॉ पर रोकने में सफल रही वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स

मैनचेस्टर । प्रीमियर लीग फुटबॉल में वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा है। इस मैच का पहला गोल मैनचेस्टर यूनाइटेड की ओर से जोशुआ जिर्कजी ने 27वें मिनट में गोल किया था। वहीं मैच के 45वें मिनट में लादिस्लाव क्रेजी ने एक गोल कर वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद कोई भी टीम गोल नहीं कर पायी जिससे मुकाबला बराबरी पर रहा। वॉल्वरहैम्प्टन लगातार 11 हार के बाद किसी मैच में हार से बची है। ड्रा के साथ ही मैनचेस्टर यूनाइटेड छठे स्थान पर रही है। इससे मैनचेस्टर चौथे स्थान पर रही लिवरपूल के बराबर अंक पाने में विफल रही है। वहीं वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स अंकतालिका में सबसे नीचे है। ड्रा के साथ ही उसके 3 अंक हो गये हैं। एक अन्य मैच में न्यूकैसल यूनाइटेड ने साल के अपने अंतिम मैच में बर्नले को हराया। इस हार के बाद बर्नले 19वें नंबर जबकि न्यूकैसल 10वें नंबर पर है।

काम्या कार्तिकेयन ने रचा इतिहास, साउथ पोल तक स्कीइंग करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के एक अधिकारी की 18 साल की बेटी काम्या कार्तिकेयन ने साउथ पोल तक स्कीइंग करके इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं। काम्या ने 89 डिग्री दक्षिण से शुरू करके, अपने पूरे एक्सपेडिशन का सामान ले जा रही स्लेज को खींचते हुए, स्कीइंग करते हुए ज्योग्राफिक साउथ पोल तक पैदल लगभग 115 किमी का सफर तय किया।

उन्होंने 27 दिसंबर को यह मुश्किल अभियान पूरा किया। इस शानदार उपलब्धि को हासिल करने के लिए उन्होंने अंटार्कटिका की मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया, जिसमें तापमान माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तक गिरना और तेज तूफानी हवाएं शामिल थीं। उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए भारतीय नौसेना ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'भारतीय नौसेना काम्या कार्तिकेयन, जो एक नौसेना अधिकारी की 18 वर्षीय बेटी और नेवी चिल्ड्रन्स स्कूल की पूर्व छात्रा हैं, को बधाई देती है, जिन्होंने साउथ पोल तक स्कीइंग करके सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बनकर एक बार फिर इतिहास रचा है।'

नौसेना ने आगे कहा, 'काम्या माइनस 30 डिग्री सेल्सियस के कठोर मौसम और तूफानी हवाओं का सामना करते हुए अपने पूरे एक्सपेडिशन के सामान से भरी स्लेज को खींचते हुए लगभग 60 नॉटिकल मील (लगभग 115 किमी) पैदल चलकर 27 दिसंबर को साउथ पोल पर पहुंचीं।' 12वीं कक्षा की छात्रा काम्या, प्रतिष्ठित एक्सप्लोरर्स ग्रैंड स्लैम को पूरा करने का प्रयास कर रही हैं, जिसमें सभी सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ना और नॉर्थ और साउथ पोल दोनों जगह स्कीइंग करना शामिल है।

इससे पहले उन्होंने सेवन समिट्स चैलेंज पूरा किया था और नेपाल की तरफ से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बनीं। उनकी पर्वतारोहण उपलब्धियों में माउंट किलिमंजारो (अफ्रीका), माउंट एल्ब्रस (यूरोप), माउंट कोसियसको (ऑस्ट्रेलिया), माउंट एकॉनकागुआ (दक्षिण अमेरिका), माउंट डेनाली (उत्तरी अमेरिका), माउंट एवरेस्ट (एशिया), और माउंट विंसन (अंटार्कटिका) पर चढ़ाई शामिल है। काम्या 24 दिसंबर को अपने पिता, भारतीय नौसेना के कमांडर एस कार्तिकेयन के साथ माउंट विंसन की चोटी पर पहुंचीं, ताकि साउथ पोल स्की अभियान शुरू करने से पहले सेवन समिट्स चैलेंज पूरा कर सकें। उनकी असाधारण यात्रा की सराहना करते हुए भारतीय नौसेना ने कहा, 'उनकी उपलब्धि निश्चित रूप से उनकी पीढ़ी के कई लोगों को अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। उन्हें नॉर्थ पोल तक स्कीइंग के अंतिम पड़ाव को लेकर 'स्वच्छ हवा और साफ आसमान' की शुभकामनाएं।'

फीफा रैफरी सूची में एक महिला सहित तीन और भारतीय शामिल

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) ने बुधवार को बताया कि एक महिला सहित तीन भारतीय रैफरी को फीफा की 2026 अंतरराष्ट्रीय मैच अधिकारियों की सूची में शामिल किया गया है। गुजरात की रचना कमानी को महिला रैफरी की फीफा सूची में शामिल किया गया है जबकि पुडुचेरी के अश्विन कुमार और दिल्ली के आदित्य पुरकायस्थ को पुरुष रैफरी के रूप में जगह मिली है। AIFF ने कहा कि अश्विन कुमार और आदित्य पुरकायस्थ ने मलेशिया के कुआलालंपुर में एएफसी रैफरी अकादमी का कोर्स पूरा कर लिया है जबकि रचना कमानी वर्तमान में यह कोर्स कर रही हैं। इसके अलावा पुडुचेरी के मुरलीधरन पांडुरंगन और महाराष्ट्र के पीटर क्रिस्टोफर को फीफा सहायक रैफरी के रूप में शामिल किया गया है। इस तरह 2026 के लिए फीफा अंतरराष्ट्रीय मैच अधिकारियों की सूची में भारत के कुल 19 अधिकारी शामिल हो गए हैं। इसमें आठ रैफरी, 10 सहायक रैफरी और एक फुटसाल रैफरी शामिल हैं।

भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होंगे 2026 एशियन गेम्स

मुंबई (एजेंसी)। 2025 के सफल साल के बाद जिसमें भारतीय खिलाड़ियों ने ग्लोबल स्टेज पर कई इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन किया, साल 2026 नई और कठिन चुनौतियां लेकर आएगा और सबसे ऊपर 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची प्रीफेक्चर और नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स हैं।

2025 में भारत के लिए ओलंपिक खेल मिले-जुले रहे क्योंकि देश ने तीरंदाजी, बॉक्सिंग, कुश्ती, शूटिंग, वेटलिफ्टिंग और हॉकी जैसे खेलों में अच्छा प्रदर्शन किया। तीरंदाजी में धीरज बोम्मादेवरा, तरुणदीप राय और अतनु दास की भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने 2025 वर्ल्ड कप में सिल्वर मेडल जीता। जबकि भारत ने कंपाउंड सेक्शन में दबदबा बनाया, महिला टीम और ज्योति सुरेखा वेन्नम ने कंपाउंड टीम और व्यक्तिगत प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीते।

भारतीय एथलीटों ने 2025 समर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में अच्छा प्रदर्शन किया जिसमें 2 गोल्ड और 5 सिल्वर सहित 12 मेडल जीते, लेकिन साल का सबसे बड़ा खेल इवेंट, एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप निराशाजनक रहा क्योंकि नीरज चोपड़ा 2018 के बाद से बड़े इवेंट्स में टॉप दो में रहने के बाद बिना मेडल के रह गए।

बैडमिंटन भी मिला-जुला रहा और जूनियर इवेंट्स और मिड-लेवल प्रतियोगिताओं में कुछ मेडल के अलावा, केवल सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ही कड़ी प्रतिस्पर्धा के सामने टिकी रही।

अब वह सब पुरानी बात हो गई है और आइची-नागोया 2026 भारतीय खिलाड़ियों को एशियन गेम्स में अपनी पूरी क्षमता दिखाने का मौका देगा जबकि लॉस एंजिल्स ओलंपिक में दो साल और 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में चार साल बाकी हैं, जब प्रतियोगिताओं के पूरे पैमाने पर लौटने की उम्मीद है जो 2026 में ग्लासगो में होने वाले छोटे पैमाने के संस्करण से अलग होगा, जिसमें केवल 10 खेलों में प्रतिस्पर्धा होगी।

2026 एशियन गेम्स में 32 कोर खेल होंगे जिनमें से ज्यादातर वे खेल होंगे जो ओलंपिक गेम्स का हिस्सा हैं, और 11 अन्य खेल और डिसिप्लिन होंगे जिनमें पांच क्षेत्रीय खेल वुशू, सेपक-टकराव, कबड्डी, कुराश और जूडो शामिल हैं। डांसस्पोर्ट्स, रोलर स्पोर्ट्स, सर्फिंग, क्रिकेट, ई-स्पोर्ट्स, मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स और पैडल भी शेड्यूल का हिस्सा होंगे।

कुल मिलाकर 45 नेशनल ओलंपिक कमेटियों से 2026 गेम्स के लिए अपने दल भेजने की उम्मीद है, जो अनोखे होंगे क्योंकि प्रतिभागियों को आमतौर पर बनाए जाने वाले स्थायी एथलीट विलेज में नहीं ठहराया जाएगा, बल्कि किंजो पियर पर डॉक किए गए एक क्रूज शिप में ठहराया जाएगा।

प्रतिभागियों को नागोया बंदरगाह के पास दोबारा इस्तेमाल किए गए शिपिंग कंटेनरों से बने अस्थायी विला में भी ठहराया जाएगा, और कुछ को प्रीफेक्चर और बाहरी शहरों के कई होटलों में ठहराया जाएगा। आयोजन स्थल आइची प्रीफेक्चर और नागोया के विभिन्न शहरों में फैले होंगे जबकि तैराकी और घुड़सवारी प्रतियोगिताएं टोक्यो में होंगी।

इस तरह 2026 एशियन गेम्स भारत के लिए एक बड़ा मौका होगा जो कॉन्टिनेंटल गेम्स में 183 गोल्ड, 238 सिल्वर और 357 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 778 मेडल जीतकर पांचवां सबसे सफल देश है। भारत जापान में होने वाले एशियन गेम्स के 20वें एडिशन में 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स में अपने अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शन के बाद जाएगा, जहां भारत ने 108 मेडल जीते थे - 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 40 ब्रॉन्ज। इसका मतलब है कि प्रतिभागियों पर यह साबित करने का दबाव होगा कि पिछले कुछ सालों में उन पर खर्च किया गया भारी पैसा बर्बाद नहीं हुआ।

एक अच्छा प्रदर्शन और ढेर सारे मेडल यह भी साबित करेंगे कि पिछले कुछ सालों में भारतीय खेलों में स्वाभाविक प्रगति और विकास हुआ है जैसा कि एशियन गेम्स के पिछले कुछ एडिशन में भारत द्वारा जीते गए कुल मेडलों में देखा जा सकता है।

यह 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक गेम्स और 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भी एक शानदार तैयारी होगी, जो शायद अहमदाबाद में होंगे, जिसे कॉमनवेल्थ स्पोर्ट एग्जीक्यूटिव बोर्ड ने शॉर्टलिस्ट किया है।

एक और सफल एशियन गेम्स 2036 ओलंपिक गेम्स के लिए भारत की दावेदारी को भी मजबूत करेगा। 2026 में भारत के पास अच्छा प्रदर्शन करने का पूरा मौका है और आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स देश के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने का सही मौका होगा।

मुंबई इंडियन्स ने डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले क्रिस्टन बीम्स को बनाया स्पिन गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग 2026 की तैयारियों में जुटी गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स ने अपने कोचिंग स्टाफ में अहम बदलाव करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पूर्व लेग स्पिनर क्रिस्टन बीम्स को स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और कोचिंग के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाली बीम्स की एंट्री से मुंबई इंडियन्स की महिला टीम को स्पिन विभाग में मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बीम्स ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट अभियानों का हिस्सा रह चुकी हैं और 2017 महिला एकदिवसीय विश्व कप में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर रही थीं। क्रिस्टन बीम्स का अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही ज्यादा लंबा न रहा हो, लेकिन वह अपनी निरंतरता और क्रिकेट की समझ के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए एक टेस्ट मैच खेला, जिसमें 11 ओवर की गेंदबाजी करने के बावजूद उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। इसके अलावा उन्होंने 30 महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 42 विकेट अपने नाम किए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 15 रन देकर चार विकेट रहा। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी बीम्स का योगदान अहम रहा, जहां उन्होंने 18 मैचों में 20 विकेट लिए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11 रन देकर तीन विकेट का रहा। घरेलू स्तर पर उन्होंने महिला बिग बैश लीग में 45 टी20 मुकाबले खेले और अपनी उपयोगिता साबित की। खेल से संन्यास लेने के बाद बीम्स ने कोचिंग में खुद को स्थापित किया। वह महिला बिग बैश लीग और द हंड्रेड जैसे बड़े टूर्नामेंट में कोचिंग की जिम्मेदारी निभा चुकी हैं। इसके अलावा वह ऑस्ट्रेलिया की महिला अंडर-19 टीम की कोच रह चुकी हैं और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में नेशनल डेवलपमेंट लीड की भूमिका भी निभा चुकी हैं। क्रिकेट तस्मानिया में कम्युनिटी क्रिकेट मैनेजर के रूप में काम कर चुकी बीम्स अब मुंबई इंडियन्स के साथ अपने अनुभव का इस्तेमाल करेंगी। डब्ल्यूपीएल का चौथा सत्र नौ जनवरी से पांच फरवरी तक खेला जाएगा, और इससे पहले बीम्स की नियुक्ति को मुंबई इंडियन्स की खिताब बचाने की रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

फिल्म हिट होने के बाद भी डिप्रेशन का शिकार हो गई थीं करिश्मा

कुछ अभिनेत्रियों के लिए हिंदी सिनेमा या टीवी की दुनिया में आना आसान रहा, लेकिन कुछ को रंग, रूप और लंबी हाइट के लिए रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। उन्हीं में से एक हैं टीवी से लेकर फिल्मों में काम करने वाली करिश्मा तन्ना, जिन्हें अपनी लंबी हाइट की वजह से कई टीवी सीरियल में काम करने का मौका नहीं मिला। 21 दिसंबर को जन्मीं करिश्मा तन्ना ने कभी नहीं सोचा था कि वो टीवी सीरियल या फिल्मों की तरफ रुख करेंगी। अभिनेत्री ने कॉलेज के समय अपने दोस्तों के कहने पर फोटोग्राफी के सेशन में भाग लिया। उनके दोस्तों ने करिश्मा की फोटोज को अलग-अलग जगह भेज दिया और फिर शुरू हुआ मॉडलिंग का सिलसिला। तन्ना को फोटोशूट और मॉडलिंग प्रोजेक्ट के फोन आने लगे और उन्हीं में से एक कॉल बालाजी प्रोडक्शन हाउस की तरफ से था। तन्ना को फोन कॉल के जरिए अपना पहला शो मिला और पहली बार में ही उन्हें सेलेक्ट कर लिया गया। करिश्मा को क्योंकि सास भी कभी बहू थी में देखा गया, जिसके बाद वे साल 2003 में टीवी सीरीज कोई दिल में है में नजर आईं। साल 2005 के टीवी शो एक लड़की अंजानी सी में उन्होंने निगेटिव रोल भी प्ले किया और फिर प्यार के दो नाम- एक राधा, एक श्याम का हिस्सा रहीं। टीवी में ठीक-ठाक काम करने के बाद, उन्होंने फिल्मों में काम ढूंढना शुरू किया, क्योंकि ज्यादातर सीरियल में वे साइड रोल में नजर आईं। फिल्मों में भी उन्हें छोटे और साइड रोल भी ऑफर हुए और पहचान बनाना मुश्किल हो गया। 2013 में आई ग्रैंड मस्ती उनकी पहली फिल्म थी, जिसके बाद, टीना एंड लोलो और रणबीर कपूर की फिल्म संजू में नजर आईं। फिल्म संजू उनके करियर की सबसे हिट फिल्मों में से एक थी, लेकिन संजू करने के बाद उन्हें काम मिलना बंद हो गया। 1 साल तक करिश्मा ने घर में समय काटा और डिप्रेशन का शिकार हो गईं। अभिनेत्री ने बताया था कि संजू में भी काम करना उनके करियर के लिए कारगर साबित नहीं हुआ क्योंकि 1 साल तक किसी ने काम नहीं दिया। उन्होंने कई प्रोडक्शन कंपनियों के पास फोन किया और काम की उम्मीद की, लेकिन हर जगह से हाथ खाली। उन्होंने बताया था कि उनके दोस्त भी इस इंडस्ट्री का हिस्सा नहीं थे, इसलिए उनसे शेयर करना सही नहीं समझा, लेकिन फिर खुद को समझाने की कोशिश की और धीरे-धीरे डिप्रेशन से बाहर आने लगी। अब अभिनेत्री सीरीज में दिख रही हैं, और उन्हें आखिरी बार हश-हश नाम की सीरीज में पुलिसवाली के रोल में देखा गया।

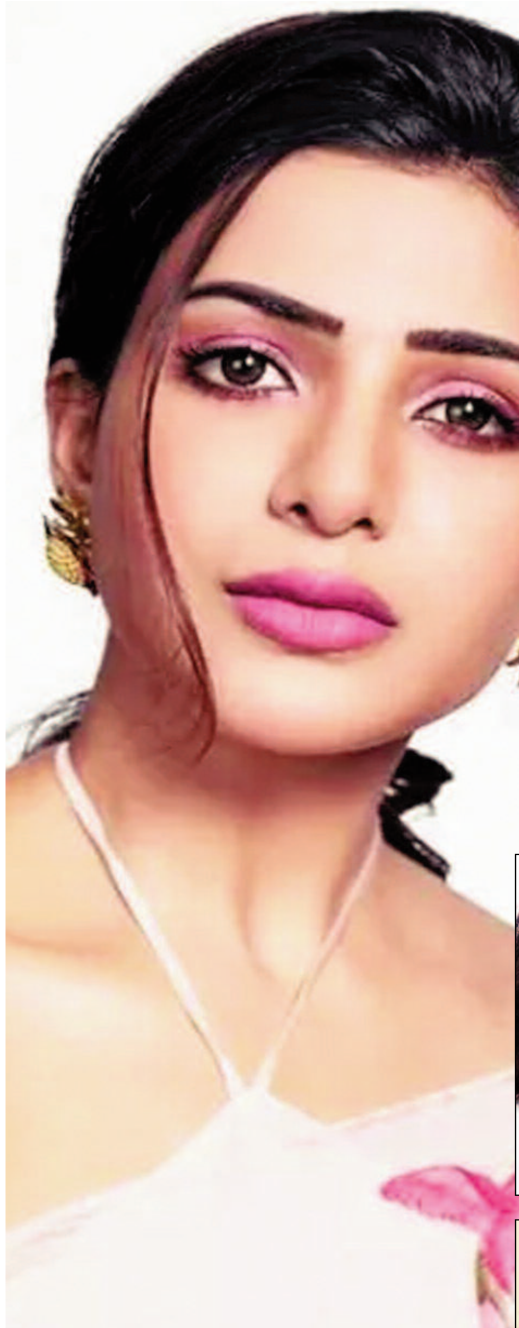

सामंथा रुथ प्रभु से लेकर अदिति राव हैदरी तक, तलाक के बाद इन कलाकारों को दोबारा की शादी

बॉलीवुड के कई मशहूर कलाकार ऐसे हैं जिनकी पहले शादी हुई, फिर उनका तलाक हुआ। तलाक के बाद वह टूटे नहीं। वह करियर में आगे बढ़े उन्होंने अपने आपको मौका दिया और उन्हें दोबारा प्यार हुआ। अब यह कलाकार या तो शादीशुदा हैं या फिर किसी के साथ रिश्ते में हैं। आज हम उन्हीं कलाकारों के बारे में बात करेंगे।

सामंथा रुथ प्रभु

सामंथा रुथ प्रभु ने नागा चैतन्या से साल 2017 में शादी की थी। दोनों का साल 2021 में तलाक हो गया। पति से अलग होने के बाद सामंथा टूटी नहीं। उन्होंने अपनी जिंदगी को संभाला और तरक्की की। साल 2025 में उन्हें दोबारा प्यार हुआ। उन्होंने राज निदिमोरू से शादी की। उनका सफर उन लोगों के लिए सबक है, जो ब्रेकअप के बाद टूट जाते हैं।

दीया मिर्जा

दीया मिर्जा ने 2014 में साहिल सागा से शादी की थी लेकिन साल 2019 में दोनों अलग हो गए। तलाक के बाद दीया मिर्जा को दोबारा प्यार हुआ। उन्होंने कारोबारी वैभव रेखी से 2021 में शादी की। इसी साल उनको एक बच्चा भी हुआ, जिसका नाम अवयान आजाद रेखी है। दीया शादीशुदा जिंदगी बिता रही हैं और काम भी करती हैं।

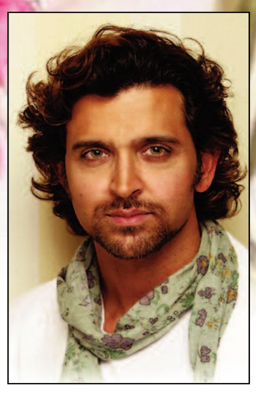

ऋतिक रोशन

ऋतिक रोशन ने साल 2000 में सुजैन खान के साथ शादी की थी। साल 2014 में दोनों अलग हो गए। दोनों अपने बच्चों की परवरिश कर रहे हैं। तलाक के बाद ऋतिक रोशन ने सबा आजाद को डेट करना शुरू किया। सुजैन भी अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रही हैं। ऋतिक और सुजैन अब भी एक दूसरे का सम्मान करते हैं।

अदिति राव हैदरी

साल 2009 में अदिति राव हैदरी ने सत्यदीप मिश्रा से शादी की। चार साल के बाद दोनों का तलाक हो गया और वे अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए। अदिति को दोबारा सिद्धार्थ से प्यार हुआ। यह उनकी नई शुरुआत थी। साल 2024 में दोनों ने एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी की। अब दोनों खुशी-खुशी अपनी जिंदगी बिता रहे हैं।

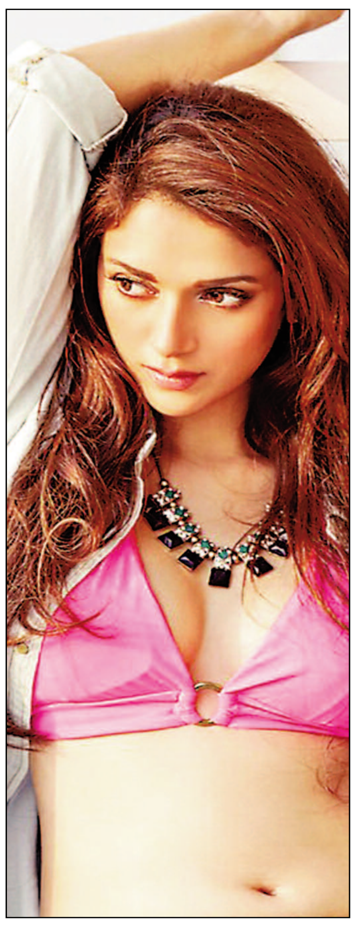

सैफ अली खान

सैफ अली खान ने साल 1991 में अमृता सिंह से शादी की थी। उनके दो बच्चे हैं, जिनके नाम इब्राहिम अली खान और सारा अली खान है। सैफ और अमृता 2004 में अलग हो गए। सैफ को दोबारा प्यार मिला। उन्होंने 2012 में करीना कपूर के साथ शादी की। उनके दो बच्चे हैं, तैमूर और जेह। सैफ-करीना बॉलीवुड के पावर कपल कहलाते हैं।

फरहान अख्तर

फरहान अख्तर ने साल 2000 में पहले हेयर स्टाइलिस्ट अधुना भबानी से शादी की थी। दोनों के दो बच्चे हैं। शादी के कई वर्षों के बाद दोनों साल 2016 में एक दूसरे से अलग हो गए। फरहान को दोबारा अभिनेत्री शिबानी दांडेकर से प्यार हुआ। दोनों ने साल 2022 में शादी कर ली।

अरबाज खान

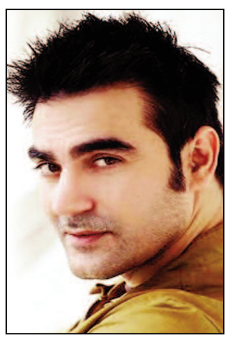

शादी के 19 साल के बाद अरबाज खान 2017 में मलाइका अरोड़ा से अलग हो गए। दोनों का एक बेटा अरहान खान है। अरबाज खान ने साल 2023 में मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान के साथ शादी की। वहीं मलाइका अरोड़ा अब भी सिंगल हैं और अपने करियर पर फोकस कर रही हैं।

ममूटी ने किया अपने नए प्रोजेक्ट का ऐलान

मलयालम के सुपरस्टार ममूटी ने एलान किया है कि वह फिल्ममेकर खालिद रहमान के साथ एक नई फिल्म में एक साथ काम करेंगे। हाल ही में ममूटी ने फेसबुक पर इस बात की जानकारी दी है। अपकमिंग फिल्म क्यूब्स एंटरटेनमेंट्स बैनर के तहत प्रोड्यूस की जाएगी।

ममूटी ने फेसबुक पर दी जानकारी

ममूटी ने फेसबुक पर एक पोस्ट साझा की। इसके साथ एक पोस्टर था। इस पर लिखा था ममूटी, खालिद रहमान, शरीफ मुहम्मद। इसके कैप्शन में लिखा है क्यूब्स एंटरटेनमेंट साथ अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट का एलान करते हुए खुशी महसूस कर रहा हूं। इसका निर्देशन खालिद रहमान कर रहे हैं।

उंडा में साथ में किया काम

यह फिल्म एक्टर और फिल्ममेकर के बीच 2019 की फिल्म उंडा के बाद दूसरा कोलैबोरेशन भी होगा। इसमें ममूटी ने एक पुलिस की भूमिका निभाई थी। इसमें ईश्वरी राव, रंजीत, शाइन टॉम चाको, अर्जुन अशोकन और जैकब ग्रेगरी भी अहम भूमिकाओं में थे। ममूटी को आखिरी बार फिल्म कलमकवल में देखा गया था।

ममूटी अभिनेता होने के साथ फिल्म निर्माता भी हैं। उन्होंने मलयालम सिनेमा के अलावा तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ सहित अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी काम किया है। 74 साल के अभिनेता ने 400 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। ममूटी ने अपने काम के लिए कई पुरस्कार जीते हैं। इनमें तीन नेशनल फिल्म अवॉर्ड और पद्म श्री शामिल हैं।

कीर्ति सुरेश की रिवॉल्वर रीटा और राम पोथिनेनी की आंध्र किंग तालुका होगी ओटीटी पर रिलीज

सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद कुछ फिल्मों का बेसब्री से ओटीटी पर रिलीज होने का इंतजार किया जाता है। अगले हफ्ते क्रिसमस है और अगर आप इस क्रिसमस पर मजेदार और कॉमेडी से भरी कुछ फिल्में देखना चाहते हैं, तो हम साउथ की दो बेहतरीन फिल्मों के बारे में जानकारी लेकर आए हैं, जो सिनेमाघरों में पहले ही दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। हम बात कर रहे हैं रिवॉल्वर रीटा और आंध्र किंग तालुका फिल्म की। दोनों ही फिल्मों के दर्शकों से अच्छा रिस्पांस मिला है और अब ये दोनों ही फिल्में ओटीटी पर रिलीज होने वाली हैं। रिवॉल्वर रीटा नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। कीर्ति सुरेश स्टारर रिवॉल्वर रीटा कॉमेडी और क्राइम दोनों को पर्दे पर अच्छे से दिखाती है। फिल्म की कहानी गैंगवार और परिवार को गुंडों से बचाने की कशमकश से शुरू होती है। रीटा एक साधारण परिवार से आती हैं, लेकिन उनकी जिंदगी तब बिखर जाती है, जब एक गलतफहमी की वजह से उनका परिवार दो गैंग की हिंसा के बीच फंस जाता है। अब अपने परिवार को बचाने के लिए रीटा समझदारी और हिम्मत का इस्तेमाल करती हैं और गुंडों से अपने परिवार को बचाने की कोशिश करती हैं।

रिवॉल्वर रीटा की ओटीटी रिलीज डेट

फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। फिल्म ने एक हफ्ते में तकरीबन 4 करोड़ का कलेक्शन किया है। फिल्म का बजट भी बहुत कम है। अगर आपने ये फिल्म नहीं देखी है तो ओटीटी पर 25 दिसंबर को देख सकते हैं। फिल्म तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम समेत कई भाषाओं में रिलीज होगी।

आंध्र किंग तालुका ओटीटी पर कब आ रही है?

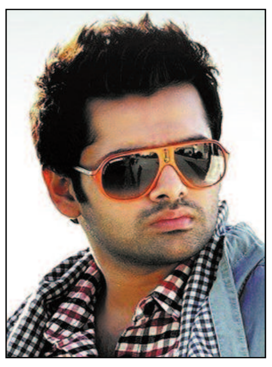

दूसरी एक्शन-कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है आंध्र किंग तालुका, जो 27 नवंबर को सिनेमा सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब फिल्म को नेटफ्लिक्स पर 25 दिसंबर को रिलीज करने का फैसला लिया है। फिल्म में लीड रोल में राम पोथिनेनी, उपेंद्र और भाग्यश्री बोरसे हैं। फिल्म की कहानी और निर्देशन महेश बाबू पचिगोल्ला ने किया है। फिल्म की कहानी की बात करें तो इसकी कहानी सागर नाम के एक नौजवान युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सुपरस्टार आंध्र किंग सूर्या कुमार का बहुत बड़ा फैन है। अपने आइडल के प्रति दीवानगी के कारण, उसकी पूरी जिंदगी उस सुपरस्टार के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म को नेटफ्लिक्स पर तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया जाएगा।

अनुभव सिन्हा की दर्शकों को दो टूक नसीहत

बॉलीवुड को तुम बिन, रा.वन, मुल्क और थप्पड़ जैसी बेहतरीन फिल्में देने वाले अनुभव सिन्हा अपनी सुपरहिट वेब सीरीज आईसी 814 के लिए भी जाने जाते हैं। वह इन दिनों अपने चल पिक्चर चलें टूर के तहत देश के अलग-अलग शहरों में जाकर वहां के सिनेमा, खानपान और संस्कृति को समझ रहे हैं। इस यात्रा के बीच वह दिल्ली पहुंचे, जहां अनुभव सिन्हा ने अपनी इस यात्रा, सिनेमा बिजनेस और दिल्ली के छोले भटूरों के बारे में खुलकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने गाहे-बगाहे दर्शकों को यह दो टूक नसीहत भी दे दी कि वह किसी फिल्म को सिर्फ इसलिए ना देखें कि वह बंपर कमाई कर रही है।

आजकल फिल्मों से ज्यादा उनकी कमाई की चर्चा होती है। इस बारे में क्या कहेंगे आप?

इसकी शुरुआत भी हमने यानी बॉलीवुड ने ही की है। हम खुद बताते हैं कि किस फिल्म ने कितना कलेक्शन किया है। अरे दर्शकों को उससे क्या मतलब है। उसे बस यह देखना है कि आपने अच्छी फिल्म बनाई है या नहीं। लेकिन हमने उसको बताना शुरू किया कि फलाना फिल्म का ओवरसीज का कलेक्शन इतना हो गया, ग्रॉस कमाई इतनी हो गई, नेट कलेक्शन इतना हो गया या इतना हो गया। उस बेचारे की जिंदगी में पहले ही बहुत परेशानियां हैं। घर से काम पर जाना होता है, परिवार चलाना होता है, समोसे महंगे हो गए हैं और वो बेचारा उस सब को लेकर परेशान है। आप उसे और परेशान कर रहे हो। लेकिन अब यह सिस्टम ही ऐसा हो गया है कि मैं भी चाहूं, तो इसे नहीं रोक सकता हूं। आजकल बहुत अच्छा हो गया है कि साउथ की फिल्में हिंदी में चल रही हैं, हिंदी की फिल्में साउथ में चल रही हैं। आखिर यह एक देश ही तो है ना भाई। सिनेमा के बिजनेस में लोगों को इतना दिमाग नहीं लगाना चाहिए। आप बस पिक्चर देखिए, अच्छी लगी या नहीं लगी, बात खत्म। उसकी कमाई की चिंता आप मत करो। हर आदमी पिक्चर को, इंडस्ट्री को और उसके बिजनेस को समझने की कोशिश कर रहा है, जो कि सम्भव नहीं है। फिल्म का बिजनेस बाकी बिजनेस से बहुत अलग है, उसके लॉजिक बहुत अलग हैं।

आजकल आप नए-नए शहरों में जा रहे हैं। इससे पहले ऐसा नहीं देखा गया कि एक फिल्म डायरेक्टर देश के छोटे-बड़े शहर घूम रहा है। कोई खास वजह?

वो मेरी अपनी जरूरत है। मैं चाहता हूं कि मैं जानूं तो सही अपने समाज को जिसके लिए हम फिल्में बनाते हैं, जिसकी हम कहानियां कहते हैं। मैं कब से उन शहरों में गया ही नहीं था। यह ऐसा हो गया था जैसे एक पुराना दोस्त है, जिसको मैं 30 साल से मिला ही नहीं। बस जानते हैं, लेकिन बहुत समय से मिले नहीं।

फिल्म इंडस्ट्री वालों पर आरोप लगते हैं कि उनका बॉलीवुड बस बांद्रा तक सीमित है। क्या आप उससे बाहर निकलने के लिए शहर-शहर घूम रहे हैं?

हमेशा से दर्शक उसी बांद्रा की फिल्में ही तो पसंद कर रहे थे। वे उन्हें ही देखते थे और वे ही हिट होती थीं। ये सब बेकार की बाते हैं। क्या है ना आजकल बॉलीवुड को गाली देना बड़ा मजे का काम हो गया है। आपको देने में भी मजा आता है, पढ़ने और सुनने वाले को भी मजा आता है। हकीकत में फिल्म बनाना कोई आसान काम नहीं है। एक टापू से पूरे देश की जनता को समझना, जो इतनी विविध है। फिर उन सब के पसंद की फिल्म बनाना भी आसान काम नहीं है। हालांकि मैं यह नहीं कह रहा की हमारी तरफ से कोई खामी नहीं है, हमारी तरफ से भी कुछ कमियां तो हुई हैं। यहां सभी लोग चाहे प्रोडक्शन हाउस हों, डायरेक्टर, राइटर और प्रोड्यूसर फिलहाल सब फायर फाइटिंग मोड में यही समझने की कोशिश कर रहे हैं कि कैसे दर्शक और फिल्मों के बीच गैप कम हो। बॉलीवुड पर ही पूरी तरह से आरोप लगाना भी ठीक नहीं है। आजकल समाज बहुत तेजी से चेंज हो रहा है। फिल्म इंडस्ट्री में डायरेक्टर अगर कुछ चीजें चेंज करता है, तो उसका असर दिखने में साल-डेढ़ साल लगता है। पूरा बॉलीवुड समझ रहा है और उस गैप को कम करने की कोशिश भी हो रही है।

आपकी फिल्म तुम बिन आज भी याद की जाती है। ऐसी फिल्में कैसे बनती थीं, इसका कोई फॉर्मूला आपके पास है?

नहीं, ऐसा कोई फॉर्मूला नहीं है। थोड़ा आप इसको इस नजरिए में भी देखिए कि कुछ समय जो फिल्में आती थी न, तो सिर्फ फिल्में आती थी। अब इतना कुछ है। मल्टीप्लेक्स आ गए। फिल्मों का बनना बढ़ गया, ह्रअअ भी आ गया। तो किसी भी फिल्म का अकेले खड़े रहना रह पाना मुश्किल हो गया है। दूसरा समय बदला है और दर्शक भी बदला है। फिल्म में आपके पास पहुंचने का तरीका बदल गया है। अब सिनेमा हॉल ही इकलौता माध्यम नहीं रह गया है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।